कोटद्वार, बुधवार
29 नवम्बर 2023
वर्षः 45
अंकः 210 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

सुरंग का सीना चीरकर बाहर निकाले गए मजदूर, उत्तरकाशी में 17वें दिन पूरा हुआ बचाव अभियान

***रेस्क्यू में जुटे थे राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों के साथ सेना, विभिन्न संगठन और विश्व के नामी टनल विशेषज्ञ**

***पीएम मोदी के सशक्त नेतृत्व एवं सीएम धामी के दृढ़ संकल्प और प्रतिबद्धता में डबल इंजन सरकार को मिली बड़ी सफलता**

देहरादून। मंगलवार को पूरे देश के लिए मंगलमयी खबर सामने आई है। डबल इंजन सरकार के सशक्त नेतृत्व और रेस्क्यू टीमों के अथक परिश्रम से ऑपरेशन सिलक्यारा फतह कर लिया गया है। सुरंग में फंसे सभी 41 श्रमिक 17वें दिन सकुशल बाहर आ गए हैं। उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री हाईवे पर सिलक्यारा में निर्माणाधीन सुरंग में 12 नवंबर को भूधंसाव होने से 41 श्रमिक सुरंग में ही फंस गए थे। घटना की सूचना मिलते ही बचाव अभियान शुरू कर दिया गया। देहरादून से पहुंचे एसडीआरएफ के जवान स्थानीय पुलिस और जिला प्रशासन के साथ तत्काल रेस्क्यू में जुट गए। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी मौके का जायजा लेने पहुंचे। सीएम के दौरे के साथ ही रेस्क्यू अभियान जोर पकड़ गया। राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियां रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल हो गईं।सुरंग में मलबा हटाने के लिए सबसे पहले जेसीबी लगाई गई, लेकिन ऊपर से मलबा गिरने पर सफलता नहीं मिल पाई तो देहरादून से ऑगर मशीन मंगाकर सुरंग में ड्रिलिंग शुरू की गई। ऑगर मशीन जवाब दे गई। फिर दिल्ली से अमेरिकन ऑगर मशीन मौके पर पहुंचाई गई। इसके लिए वायुसेना के हरक्यूलिस विमानों की मदद ली गई। इन विमानों ने मशीन के पुर्जों को चिन्यालीसौड़ हवाई पट्टी पर पहुंचाया और यहां से ग्रीन कॉरिडोर बनाकर सिलक्यारा पहुंचाया गया।सुरंग में लगभग 50 मीटर ड्रिलिंग के बाद सरिया सामने आने के कारण इस मशीन में भी खराबी आ गई। फिर हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाया गया। कटर से ऑगर को काटने के बाद 16वें दिन मैनुअल ड्रिलिंग शुरू की गई और आज 17वें दिन जिंदगी का पाइप श्रमिकों तक पहुंचा दिया गया। यही नहीं सरकार तीन अन्य मोर्चों पर भी काम कर रही थी। इसमें वर्टिकल ड्रिलिंग का काम भी 50 मीटर तक पहुंच चुका था।

सीएम ने अभियान में जुटे सभी लोगों को दी शुभकामनाएं

सिलकयारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अभियान में जुटे समस्त बचाव दल को अपनी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा की श्रमिकों और उनके परिजनों के चेहरों की खुशी ही मेरे लिए इगास बग्वाल (दिवाली) है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बचाव दल की तत्परता, टेक्नोलॉजी के सहयोग, सुरंग के अंदर फंसे श्रमिक बंधुओं की जीवटता, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की जा रही पल– पल निगरानी और बौखनाग देवता की कृपा से यह अभियान सफल हुआ। मुख्यमंत्री ने जरुरी होने पर श्रमिकों को हर चिकित्सा सुविधा देने के उन्होंने आदेश दिए हैं।

प्रधानमंत्री ने सीएम धामी को फोन पर दी बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलक्यारा में 41 श्रमिकों को सकुशल बाहर निकाले जाने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को फोन कर अपनी शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री ने इस दौरान श्रमिकों के बारे में मुख्यमंत्री से जानकारी ली। उन्होंने मुख्यमंत्री से जाना कि सुरंग से निकालने के बाद श्रमिकों के स्वास्थ्य देखभाल, घर छोड़ने व परिजनों आदि के लिए क्या व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया कि सभी श्रमिकों को सुरंग से निकलने के बाद सीधे चिन्यालीसौड़ स्थित अस्पताल ले जाया गया है। जहां उनकी जरूरी स्वास्थ्य जांच आदि की जाएगी। साथ ही अवगत कराया कि श्रमिकों के परिजनों को भी फिलहाल चिन्यालीसौड़ ले जाया गया जहां से उनकी सुविधा के अनुसार राज्य सरकार उनको घर छोड़ने की पूरी व्यवस्था करेगी।

सुरंग से बाहर निकले गब्बर सिंह, खिल उठे स्वजनों के चेहरे

पिछले 17 दिन से सुरंग में फंसे थे कोटद्वार विशनपुर निवासी गब्बर सिंह

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पिछले 17 दिन से उत्तरकाशी की सिलक्यारा सुरंग में फंसे कोटद्वार विशनपुर निवासी गब्बर सिंह नेगी जैसे ही मंगलवार को सुरक्षित बाहर निकले उनके स्वजनों के चेहरे खिल उठे। रेस्क्यू अभियान के अंतिम पड़ाव पर पहुंचने के दौरान स्वजनों की निगाहें लगातार टीवी पर टिकी हुई थी। गब्बर सिंह नेगी के भाई भी पिछले कई दिनों से सिलक्यारा सुरंग के समीप डटे हुए थे।

गब्बर सिंह की 11 नवंबर की रात आठ बजे के आसपास फोन पर पत्नी जशोदा से बात हुई थी। इसके बाद वह सुरंग के भीतर चले गए थे। जशोदा को टीवी के जरिये 12 नवंबर को सुरंग धंसने की जानकारी मिली थी। इसके बाद गब्बर सिंह का बेटा आकाश व अन्य रिश्तेदार उत्तरकाशी पहुंच गए थे। घर में जशोदा देवी व अन्य स्वजन लगातार गब्बर सिंह नेगी के सकुशल बाहर निकलने की दुआएं मांग रहे थे। मंगलवार को जब रेस्क्यू अभियान अंतिम पड़ाव पर पहुंचा तो स्वजनों की धड़कने भी तेज हो गई। टीवी के माध्यम से गब्बर सिंह को देखने के लिए स्वजनों की आंखे तरसती रही। उत्तरकांशी पहुंचे गब्बर सिंह नेगी के भाई लगातार परिवार की हिम्मत बांधते रहे। देर शाम को जब गब्बर सिंह सहित अन्य सभी 41श्रमिकों के बाहर निकलने की सूचना मिली तो स्वजनों के चेहरे खिल उठे। वहीं, गब्बर सिंह के घर पर लोगों के पहुंचने का सिलसिला भी जारी रहा। लोगों ने गब्बर सिंह व स्वजनों की हिम्मत की तारीफ की।

रेस्क्यू टीमों को सैल्यूट

राज्य और केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां, अधिकारी और कर्मचारी आज 17वें दिन तक पूरी तन्मयता और मनोयोग से रेस्क्यू में जुटी रही। मुख्यमंत्री धामी निरंतर स्थलीय निरीक्षण करने साथ ही रेस्क्यू टीमों की हौसला–अफजाई करते रहे। इसी का फल रहा है कि आज यह मिशन सफल हुआ। रेस्क्यू ऑपरेशन में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, बीआरओ, आरवीएनएल, एसजेवीएनएल, ओएनजीसी, आईटीबीपी, एनएचएआईडीसीएल, टीएचडीसी, उत्तराखंड राज्य शासन, जिला प्रशासन, भारतीय थल सेना, वायुसेना समेत तमाम संगठनों, अधिकारियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका रही।

आस्था और विज्ञान से अंजाम तक पहुंचा मिशन सिलक्यारा

सिलक्यारा टनल में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने का रेस्क्यू, विज्ञान और भगवान दोनों की बदौलत सफल हो पाया। कहीं न कहीं इसका मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी देखने को मिला, जिससे एक आस बंधी कि सब कुछ ठीक होगा। दरअसल, टनल में फंसे श्रमिकों का तो ईश्वर पर अटल विश्वास था ही बचाव अभियान दल ने भी हर रोज देव आराधना के बाद ही रेस्क्यू की शुरुआत की। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और इंटरनेशनल टनलिंग एंड अंडरग्राउंड स्पेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अनील्ड डिक्स भी टनल के मुहाने पर बनाए गए बौखनाग मंदिर में सिर झुकाकर श्रमिकों को सकुशल वापसी के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा।

मुख्यमंत्री ने किया ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में छठवें वैश्विक आपदा प्रबंधन सम्मेलन का शुभारंभ

उत्तराखंड में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान की स्थापना के लिए भूमि की व्यवस्था के साथ ही केन्द्र सरकार से किया जाएगा अनुरोध

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने क्लेमेंट टाउन स्थित, ग्राफिक एरा विश्वविद्यालय में 6वें आपदा प्रबंधन वैश्विक सम्मेलन का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। 28 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2023 तक होने वाले इस सम्मेलन में अनेक देशों के विशेषज्ञ और वैज्ञानिक प्रतिभाग कर रहे हैं। इस सम्मेलन में 60 से अधिक तकनीकि सत्र आयोजित किये जायेंगे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रधानमंत्रीनरेन्द्र मोदी के अनुभव पर आधारित पुस्तक रेजिलिएंट इंडिया का विमोचन भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में ह्यराष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थानह्ल खोलने के लिए भूमि की व्यवस्था के साथ ही केंद्र सरकार से अनुरोध किया जायेगा। राज्य में इस संस्थान की खोलने के लिए केन्द्र सरकार की जो भी अपेक्षा होगी, वह राज्य राज्य सरकार द्वारा पूरी की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांग और महिलाओं के लिए राज्य में आपदा की चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष प्राविधान किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में आपदा प्रबंधन के पाठ्यक्रम शामिल किये जायेंगे और कार्यशालाओं का आयोजन किया जायेगा।

उत्तराखंड प्राचीन काल से ही शोध, साधना, आध्यात्म, ज्ञान और विज्ञान की रही है उद्गम स्थली ।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने द्रोणनगरी देहरादून में आयोजित छठे विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन में देश–विदेश से आये सभी अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड प्राचीनकाल से ही शोध, साधना, आध्यात्म, ज्ञान और विज्ञान की उद्गम स्थली रहा है। आदि गुरु शंकराचार्य जी, गुरु नानक देव जी, स्वामी विवेकानंद जी से लेकर रविन्द्र नाथ टैगोर जी तक अनेक युग दृष्टाओं की आध्यात्मिक यात्रा में कहीं न कहीं हिमालय और विशेष रूप से उत्तराखंड के दर्शन अवश्य होते हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए यह आपदा प्रबंधन वैश्विक सम्मेलन महत्वपूर्ण है। उत्तराखंड प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील हैं। प्राकृतिक आपदाओं से निपटने का उपाय है, प्रोएक्टिव अप्रोच। प्राकृतिक आपदाओं के समय प्रतिक्रिया एकीकृत होने से आपदा से होने वाले नुकसान और जनहानि को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं की चुनौतियों का सामना सभी हिमालयी राज्यों को करना पड़ता है। इस संबंध में वैश्विक स्तर पर हो रहे अध्ययनों, शोधों एवं अनुभवों को साझा करना भी समय की जरूरत है।

एक नजर

बहुउद्देश्यीय शिविर में सड़क, बिजली, पानी की समस्याएं रखी

विकासनगर। बाल विकास परियोजना अधिकारी अंजू बडोला की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में सबसे अधिक समस्याएं सड़कों से संबंधित आई। ग्राम प्रधान सुरेश सिंह ने कहा कि पीएमजीएसवाई की ओर से रोड कटिंग का काम पूरा हुए एक साल से अधिक समय बीत चुका है, बावजूद इसके अभी प्रभावित ग्रामीणों को मुआवजा नहीं मिला है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अधिकांश ग्रामीण सड़कों की हालत खस्ता है। सुधारीकरण नहीं होने से इन सड़कों पर सफर करना मुश्किल हो गया है। इसके साथ ही ग्रामीणों ने लो वोल्टेज की समस्या और पेयजल किल्लत की समस्याएं भी अधिकारियों के सामने रखी। अधिकारियों ने समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देने के साथ ही सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। पशुपालन विभाग के योगेश सेमवाल ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए गोट वैली योजना शुरु की गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को भेड़ दी जा रही हैं।

छात्र–छात्राओं ने मतदान को किया जागरूक

विकासनगर। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय चकराता में मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें नव प्रवेशित छात्र–छात्राओं को मतदाता सूची में अपना नाम जोड़वाने के लिए जागरूक किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कामना लोहानी ने छात्रों का आह्वान किया कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है और लोकतंत्र में मतदान का सबसे ज्यादा महत्व होता है। मतदान की प्रक्रिया से जुड़ने के लिए आवश्यक है कि आपका नाम मतदाता सूची में हो। लिहाजा आप सभी अपना नाम मतदाता सूची में निश्चित तौर पर जुड़वा लें।

महाविद्यालय में चुनावी साक्षरता क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. सुमेरचंद सुमन के नेतृत्व में छात्र–छात्राओं ने मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए प्रपत्र–छह भरे। डॉ. सुमेरचंद द्वारा छात्र–छात्राओं को बताया कि जिन छात्र–छात्राओं की आयु एक जनवरी 2024 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है वे सभी अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करवाने के लिए प्रपत्र–छह भरकर अपने गांव के बीएलओ के पास जमा कर दें। कुल 18 छात्र छात्राओं ने प्रपत्र–छह भरे।

अचानक बढ़ी ठंड से सेहत पर खतरा, डॉक्टरों ने दी सलाह

देहरादून। उत्तराखंड के मैदानी शहरों में पूरे दिन बादल छाए रहने से दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। डॉक्टरों ने मौसम बदलाव के बीच लोगों को सेहत का ख्याल रखने की हिदायत दी गई है। तापमान में गिरावट होने के साथ ही लोग बीमार हो रहे हैं।

देहरादून में दिन का तापमान जहां सोमवार को सामान्य से तीन डिग्री कम 20.4 डिग्री पहुंच गया। वहीं रात का पारा सामान्य से चार डिग्री अधिक 13 डिग्री पर पहुंच गया, जो रविवार को 11.8 डिग्री था। वहीं अधिकतम तापमान भी 26 डिग्री था। दिन और रात के तापमान में उतार–चढ़ाव और ठंड के बढ़ने के साथ अब बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। रुड़की, हरिद्वार, रुद्रपुर, विकासनगर, काशीपुर आदि शहरों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है।

गर्भवती की देखभाल अहमः स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रीना पाल एवं डॉ. निलांशा राय कौशिक ने कहा कि सर्दी के मौसम में गर्भवती महिलाएं अपना विशेष ख्याल रखें। सर्दी से बचाव करें, शरीर का तापमान बनाए रखने को ऊनी वस्त्रत्त् पहनें। नंगे पैर न घूमने दें, गुनगुना पानी पिलाएं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. आयशा इमरान और डॉ. राजन मोहन कहते हैं कि बीमारियों से बच्चों को बेहतर खानपान एवं सावधानी से बचाया जा सकता है। सुबह और शाम के समय में बच्चों का विशेष ख्याल रखना चाहिए। बाहर खेलने जाने वाले बच्चों पर विशेष निगरानी रखनी चाहिए। नंगे पैर कतई न घूमने दें, खूब गुनगुना पानी पिलाएं। ठंडे पानी से दूर रखें।

बच्चे होते हैं सबसे पहले बीमार, ख्याल जरूरीः बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. विशाल कौशिक, डॉ. कंचन ठाकुर के मुताबिक सर्दी आते ही सबसे पहले बच्चे उसकी गिरफ्त में आते हैं। बच्चों में कोल्ड डायरिया, निमोनिया, हाथ–पैर की अंगुलियों में सूजन, हाइपोथर्मिया आदि बीमारियों का खतरा रहता है। सर्दी जुकाम और बुखार आम तौर पर इस मौसम में होता है। लापरवाही से यह गंभीर रूप ले सकता है।

दवाएं करवा लें अपग्रेडः वरिष्ठ फिजीशियन डॉ. प्रवीण पंवार एवं डॉ. जयति डबराल ने कहा कि बुजुर्गों को शुगर एवं बीपी के बढ़ने का खतरा रहता है। बुजुर्गों की जांच करवा लें, डॉक्टर से मिलकर दवाओं को अपग्रेड करवा लें।

नगर पंचायत कार्यालय के जर्जर मार्ग पर आये दिन लोग हो रहे हैं चोटिल

विकासनगर। सेलाकुई बाजार शिव मंदिर के पास नगर पंचायत मार्ग पूरी तरह क्षतिग्रस्त है। जिसमें नगर पंचायत कार्यालय में आवागमन करने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्रगति विहार, जमनपुर के लोगों का आवागमन का मुख्य मार्ग होने के साथ ही स्कूली बच्चों को भी मार्ग से आवागमन करना पड़ता है। जिससे क्षतिग्रस्त मार्ग पर लोग आये दिन दुर्घटनायें घटित होने पर चोटिल होते हैं। मेन बाजार से नगर पंचायात जाने वाले मार्ग पर लोगों का आवागमन निरंतर बना रहता है।इस मार्ग स्कूली बच्चों, जमनपुर व प्रगति विहार के लोगों का भी आवागमन का मुख्या मार्ग है। बरसात के दौरान मार्ग क्षतिग्रस्त हो गचा था। तब से लेकर अब तक मार्ग की मरम्मत नहीं की गयी। मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे बने हैं। जिनमें पानी भरने से गड्ढे तालाब का रूप ले लेते हैं। मार्ग उबड खावड हो चुका है। जिससे मार्ग पर आये दिन हादसे होते रहते हैं। खासकर दुपहिया व तिपहिया वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से लोग चोटिल होते रहते हैं। मार्ग पर हमेशा दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। व्यापारी विनय बंसल ने बताया यह रास्ता कई महीने से बुरी तरह जर्जर हाल हो चुका है।

दिग्गज लोक कलाकार करेंगे अपनी कला का प्रदर्शन

देहरादून(। उत्तराखंड लोक विरासत आगामी दो दिसम्बर से देहरादून में शुरू हो रहा है। इस बार नीतिमाड़ा, धारचूला से लेकर टकनोर घाटी से जुड़ी वेश भूषा का फैशन शो होगा। समारोह में राज्य के लोगों के जरिए बने प्रतीक चिन्ह अतिथियों से लेकर कलाकारों को दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को मुख्य अतिथि के तौर पर निमंत्रण दिया है।

वहीं कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज, कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल, मंत्री गणेश जोशी के अलावा मेयर सुनील उनियाल गामा को भी अतिथि के तौर पर निमंत्रण दिया है। ये जानकारी चारधाम अस्पताल के एमडी डॉ केपी जोशी ने दी।

मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकारवार्ता में डॉ केपी जोशी ने बताया कि हरिद्वार बाईपास रोड स्थित सोशल बलूनी स्कूल में आगामी दो और तीन दिसम्बर को उत्तराखंड लोक विरासत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पहाड़ के लोकगीत, लोकनृत्य, वाद्ययंत्र के अलावा भूले बिसरे गीत, संगीत और नृत्य का प्रदर्शन होगा। जिसमें पहाड़ का छोलिया, छपेली, बद्रीनाथ के जागर, खदेड़ गीत, नागराजा का जागर, भोटिया जनजाति के नृत्य आदि की प्रस्तूति होगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का मकसद नई पीढ़ी को उत्तराखंड की संस्कृति के बारे में बताना है। अपने गांवों में निर्मित हस्तशिल्प और हुनर की खोज कर राज्य स्तर पर प्लेटफार्म देना है। वहीं रोजगार सर्जित कर पलायन को रोकना है। साथ ही कलावंतों को सरकार से एक तय धनराशि तय करवाना है। डॉ जोशी ने कहा कि उत्तराखंड में हुनर और शिल्प की कमी नहीं है। इस दो दिवसीय कार्यक्रम में टकानार घाटी, चमोली, भोटिया, कुमाउँनी, धारचूला, जौनसारी आदि की परंपरागत वेशभूषा और आभूषण का प्रदर्शन होगा। दो दिन तक चलने वाली गीत संध्या में प्रसिद्ध लोक गायकर नरेंद्र सिंह नेगी, पद्मश्री डॉ प्रीतम भरतवाण, मीना राणा, सौरव मैठाणी आदि अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे। वहीं आयोजन स्थल पर उत्तराखंड के दुरुस्त गांवों के हस्तशिल्प की ओर से निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगेगी। कहा कि संगीत में नए उभरते कलाकारों को

पांडव नृत्य होगा। समारोह में अपने लोगों के बने प्रतीक चिन्ह दिए जाएंगे। डॉ जोशी ने बताया कि देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डॉ अजित डोभाल को भी निमंत्रण दिया गया है।

जीवन में ध्यान साधना का बताया महत्व

कोटद्वार : लायंस क्लब डायनेमिक के तत्वावधान और आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन के सहयोग से लालपानी स्थित नशामुक्ति केंद्र में ध्यान साधना कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान नशामुक्ति केंद्र में रह रहे 60 लोगों को ध्यान लगाने का अभ्यास करवाया गया। कैंप के दौरान काउंसिलिंग करते हुए उन्हें तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए प्रेरित किया गया। क्लब अध्यक्ष मुकेश बत्रा ने कहा कि क्लब की ओर से ऐसे कैंपों का आयोजन लगातार किया जाता रहा है। इस अवसर पर क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सिद्धबली महोत्सव के दौरान बंद रहे मांस की दुकानें

कोटद्वार : विश्व हिंदू परिषद की स्थानीय इकाई के सदस्यों ने सिद्धबली महोत्सव के दौरान मांस की दुकानों को बंद रखने की मांग की है।

इस संबध में उपजिलाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में परिषद के सदस्यों ने कहा है कि श्री सिद्धबली मंदिर समिति की ओर से 1 से 3 दिसंबर तक श्री सिद्धबली अनुष्ठान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। यह धाम लाखों लोगों की आस्था का प्रतीक है। इसलिए अनुष्ठान महोत्सव को ध्यान में रखते हुए अनुष्ठान के तीनों दिन मांस की दुकानों को बंद रखा जाना चाहिए। ज्ञापन में उपजिलाधिकारी से इस संबध में उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलाध्यक्ष लोकपाल सिंह रावत और जिला मंत्री सचिन नेगी सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

बैठक 10 दिसम्बर को

कोटद्वार : आद्य सतातन शक्तिपीठ श्री गणेश गिरी धर्मार्थ समिति की ओर से आगामी 25 और 26 दिसम्बर को गणेश गिरी फलाहारी बाबा की पुण्यतिथि मनाई जाएगी। समिति के कार्यालय में आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। समिति के सचिव सुमित नेगी ने बताया कि आगामी 10 दिसम्बर को ग्रास्टनगंज स्थित समिति के कार्यालय में बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में गणेश गिरी फलाहारी बाबा की पुण्यतिथि मनाने की तैयारियों पर चर्चा की जाएगी। बैठक में प्रशांत कुकरेती, प्रशांत नेगी, शैलेन्द्र मधवाल, राजेंद्र भंडारी, रणजीत सिंह नेगी, हेमेन्द्र नौटियाल, जितेंद्र कैंथोला, सुमित नेगी, नरेन्द्र जखमोला, मुकेश नैथानी, अनिल जदली, अनुज भट्ट, उमेश त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

गंदगी से गुजर रही पेयजल लाइन, घरों में पहुंच रहा दूषित पानी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार शहर में दूषित पेयजल आपूर्ति की समस्या लगातार बढ़ती जा रही है। इसका सबसे बड़ा कारण गंदी नालियों से गुजर रही क्षतिग्रस्त पेयजल लाइन है। शिकायत के बाद भी जल संस्थान समस्या को लेकर गंभीरता नहीं दिखा रहा। नतीजा दूषित पानी पीने से क्षेत्र के उपभोक्ताओं को बीमारियों का खतरा बना हुआ है।

♦शिकायत के बाद भी व्यवस्थाओं में नहीं हो रहा सुधार ♦दूषित पानी पीने से बढ़ रहा बीमारियों का खतरा

सत्तर के दशक में शहर में पेयजल लाइनें बिछाई गई थी। उस समय कोटद्वार की जनसंख्या करीब 25-30 हजार थी। गिने-चुने उपभोक्ताओं के लिए जल संस्थान की ओर से पेयजल योजनाएं बनाई गई, लेकिन वर्तमान में क्षेत्र की जनसंख्या डेढ़ लाख से अधिक हो चुकी है और पेयजल कनेक्शन की तादाद हजारों में पहुंच चुकी है। हालत यह है कि क्षेत्र के अधिकांश इलाकों में अब भी सत्तर के दशक में बिछाई गई पेयजल लाइनों से पानी की आपूर्ति हो रही है। गंदी नालियों के बीच गुजर रही जर्जर पेयजल लाइनों से घरों में दूषित पानी पहुंच रहा है। क्षेत्रवासियों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले डेढ़ माह से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। लीकेज लाइन से गंदा पानी घरों में पहुंच रहा है। यही स्थिति आमपड़ाव, काशीरामपुर तल्ला, बालासौड़ क्षेत्र में भी बनी हुई है।

नहीं बदली जा रही बूढ़ी पेयजल लाइन

दशकों पूर्व बिछाई गई पेयजल लाइनों को बदलने के लिए क्षेत्रवासी कई बार शासन-प्रशासन से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया। पूर्व में कोटद्वार पहुंचे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी पेयजल लाइन बदलने का आश्वासन दिया था। लेकिन, यह आश्वासन भी केवल हवाई साबित हुई। नतीजा क्षेत्र में लगातार समस्या बढ़ती जा रही है। वहीं, कुछ दिन पूर्व ही विधानसभा अध्यक्ष ने सरकार से पेयजल लाइन बदलने के लिए बजट की भी अपील की है।

पदमपुर में गंदी नाली से गुजरती पेयजल लाइन

अग्निवीर भर्ती में 2544 अभ्यार्थियों ने दिखाया दमखम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विक्टोरिया क्रॉस गबर सिंह कैंप कौड़िया में आयोजित अग्निवीर भर्ती रैली 2544 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। रैली में चमोली से 360, हरिद्वार से 218, रुद्रप्रयाग से 253, टिहरी से 283, उत्तरकाशी से 164, देहरादून से 500, पौड़ी 766 युवाओं ने भाग लिया।

एआरओ लैंसडौन की ओर से सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए अंतिम मेरिट सूची जल्द प्रकाशित करने की बात कही है। सभी उम्मीदवारों को जेआईए वेबसाइट पर अधिसूचना देखते रहने के लिए कहा गया है।

कार्यालय की ओर से अभ्यर्थियों को आगे के संचार के लिए एआरओ, लैंसडाउन के साथ अपना मोबाइल नंबर और ईमेल पता अपडेट करने के लिए भी कहा गया है।

साथ ही सफल उम्मीदवारों को 28 फरवरी तक अपना ऑनलाइन पुलिस सत्यापन पूरा करने के लिए कहा गया है। साथ ही वे सभी उम्मीदवार जो रैली के दौरान मूल दस्तावेज प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं थे, उन्हें 7 दिसंबर 2023 को उन दस्तावेजों के साथ एआरओ लैंसडाउन को रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है।

विक्टोरिया क्रॉस गबर सिंह कैंप कौड़िया में 1600 मी. दौड़ में दमखम दिखाते हुए युवा।

आयोग उपभोक्ताओं को सहूलियत देने पर करेगा काम

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विद्युत लोकपाल (पूर्व आईएएस) सुभाष कुमार ने कहा कि आयोग लगातार जनसुनवाई के माध्यम से उपभोक्ताओं की शिकायतों का निवारण कर रहा है। कहा कि यदि कोई उपभोक्ता को विद्युत विभाग से कोई शिकायत हो तो वह आयोग को संपर्क कर सकता है।

पौड़ी में पत्रकार वार्ता में विद्युत लोकपाल सुभाष कुमार ने कहा कि आयोग लगातार जनसुनवाई करते हुए उपभोक्ताओं की समस्याओं का निदान कर रहा है। जनसुनवाई में उपभोक्ताओं को नियमों की जानकारी के साथ ही उनके सुझाव भी लिए जा रहे है। इन सुझावों पर आयोग काम करते हुए उपभोक्ताओं को सहूलियत देने का काम करेगा।

कहा कि उपभोक्ताओं को कई नियमों की जानकारी नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आयोग जनसुनवाई करते हुए उपभोक्ताओं को नियमों की भी जानकारी दे रहा है।

संस्था ने मैधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

मैधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करते संस्था के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नन्ही दुनिया, भावी राष्ट्र संगठन के सदस्यों की ओर से संस्था का 21वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान संस्था ने मैधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर बालासौड़ स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देउसे महामंत्री रमाकांत कुकरेती ने कहा कि संगठन विश्व पर्यावरण से लेकर सामाजिक पर्यावरण तक कार्य कर रहा है। संबधित क्षेत्रों में कार्य करते हुए संगठन ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। संगठन संस्थापक आरबी कंडवाल ने कहा कि भविष्य में संगठन अपने कार्यों का विस्तार करते हुए सभी को साथ लेकर कार्य करेगा। तत्पश्चात संगठन के कार्यकर्ताओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रदीप सिंह, रिया चौहान, प्रकाश कुमार, प्रशांत जखमोला, उज्जवल लखेड़ा, वैशाली, प्रिया, मीना, मोनिका, दिनेश चौधरी, नंदन सिंह नेगी और डॉक्टर चंद्रमोहन बड़थ्वाल सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वीर हनुमाना, अति बलवाना भजन पर झूमे भक्त

कोटद्वार : श्री श्याम मित्र मंडल समिति की ओर से श्री श्याम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जन्मोत्सव में भजन गायक कुमार गिरिराज शरण और दीप्ति अग्रवाल ने भजनों की प्रस्तुति से भक्तिमय माहौल बना दिया। कार्यक्रम में भजनों के अतिरिक्त श्री श्याम कथा, श्री राम-शबरी संवाद आदि का वर्णन भी किया गया।

पटेल मार्ग स्थित एक बारातघर के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में श्याम बाबा का दरबार राजस्थान से पधारे सीताराम शर्मा द्वारा सजाया गया। तत्पश्चात समिति के समस्त सदस्यों ने जोत प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया गया। कार्यक्रम में भजन गायक कुमार गिरिराज शरण और दीप्ति अग्रवाल ने वीर हनुमाना, अति बलवाना..., मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जायेंगे..., मुझे श्याम अपने गले से लगा लो..., तेरी याद जो आई... व भर दे श्याम झोली भर दे.. आदि भजनों की प्रस्तुति से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम में मेयर हेमलता नेगी, पूर्व मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी, संजय मित्तल, उद्योगपति कृष्ण कंसल, सुरेश बंसल, रीमा चौहान, दिनेश एलाबादी, मंडी समिति अध्यक्ष सुमन कोटनाला, पंकज भाटिया और मुकेश मल्होत्रा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनता मौजूद रही।

स्वयं सेवियों ने सिद्धबली मंदिर में चलाया स्वच्छता अभियान

स्वयं सेवियों को स्वच्छता का संदेश देते विधायक दिलीप रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूल की ओर से श्री सिद्धबली मंदिर परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वयं सेवियों ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को भी सफाई के प्रति जागरूक किया।

मंगलवार को स्वयं सेवियों ने मंदिर परिसर को जाने वाले मार्ग में जगह-जगह फैली गंदगी को एकत्रित किया। इस दौरान लैंसडौन विस के विधायक महंत दिलीप रावत ने स्वयं सेवियों को स्वच्छता का संकल्प दिलवाया। कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

स्वयं सेवियों ने श्रद्धालुओं से गंदगी को सार्वजनिक स्थान पर नहीं फेंकने की अपील की। साथ ही प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। कहा कि प्लास्टिक पर्यावरण को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनाओं के गमिमान कार्यों की प्रगति तेजी से बढ़ायें: जिलाधिकारी

अफसर सड़क निर्माण और ब्रिज निर्माण के अधूरे कार्यों को जल्द पूरा करें

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित निर्माणदायी विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे पीएमजीएसवाई के सड़क निर्माण और ब्रिज निर्माण के अधूरे कार्यों को तेज गति से पूरा करें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वैरिएश्न टैम्परेचर, फॉरेस्ट क्लीयरेंस इत्यादि की सैंक्शन में देरी नहीं होनी चाहिए तथा इसके चलते सड़क निर्माण कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए इस संबंध में जो भी निर्माण खण्ड लापरवाही बरतेगा तो उनकी जिम्मेदारी तय की जायेगी।

जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत गतिमान और लंबित सड़क निर्माण कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। उन्होंने विभिन्न कार्यों को पूर्ण करने की संबंधित अधिकारियों को टाइमलाइन तय करने के भी निर्देश देते हुए कहा कि निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें तथा बिना तर्क के कार्यों में किसी भी तरह का विलंब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि पीएमजीएसवाई की ऐसी सड़कें जिसके निर्माण के 5 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और जहां पर संबंधित लोक निर्माण विभाग को उनको हस्तांतरित करने की कार्यवाही की जाती है, उनको भी संयुक्त निरीक्षण के उपरांत तत्काल पूर्ण करना सुनिश्चित करें। बैठक में अधिशासी अभियंता पीएमजीएसवाई अरूण बहुगुणा व वीरेंद्र दत्त जोशी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डीएम डॉ. आशीष कुमार चौहान बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

अफसरों ने जुटाई मानव-वन्य जीव संघर्ष को लेकर जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : वन विभाग के अधिकारियों ने गांव-गांव जाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुन रहे हैं। इसी के साथ ही मानव-वन्य जीव संघर्ष को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान ग्रामीणों ने अफसरों को समस्याएं गिनवाईं। फॉरेस्ट अफसरों ने उठाएं जा रहे कदमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसी के साथ वन्य जीवों से कैसे कम से कम नुकसान हो, इसकी भी जानकारी दी जा रही है। अफसरों ने ग्रामीणों से पूछा है कि कैसे वन्य जीवों से उन्हें खतरा होता है।

गढ़वाल वन प्रभाग के जो-जो इलाकें वन्य जीवों के हमलों को लेकर संवेदनशील है, वहां अफसर इस तरह के जनजागरूकता कार्यक्रमों को आयोजित कर रहे हैं। ग्रामीण आए दिन वन विभाग से वन्य जीवों के बढ़ते खतरों से निजात दिलाने की गुहार लगाते रहते हैं। वन संरक्षक गढ़वाल पंकज कुमार से लेकर डीएफओ गढ़वाल स्वपनिल अनिरुद्ध ने गांवों में जाकर गोष्ठियां आयोजित की है। साथ ही ग्रामीणों से भी पूरी जानकारी जुटाई है। इसी के साथ ही बताया गया कि गढ़वाल प्रभाग में ही अभी तक दो हजार से अधिक बंदरों को पकड़ा गया है। जिन जगहों पर बंदरों के आंतक की ज्यादा शिकायतें थी वहां टीम भेजकर उन्हें पकड़ा गया। सीएफ पंकज कुमार ने पैठाणी रेंज के रोखड़ गांव में तो डीएफओ गढ़वाल ने कुटकंडई व गहड आदि गांवों में जाकर ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी और उन्हें बताया कि गुलदार, भालू आदि कैसे और कब हमलावर हो जाते है। बताया गया कि यदि कोई भी जानवर जब अपना शिकार करने में असमर्थ हो जाता है, तो वह तभी ही आसान शिकार करता है और इस दौरान वह लोगों , खासकर बच्चों पर हमला कर देता है। अफसरों ने कहा गुलदार से लेकर भालू और अन्य कोइ भी जानवर यदि बार-बार एक ही जगह, या गांव में आ रहा हो तो इसकी सूचना तत्काल देनी चाहिए। साथ ही यह भी देखना चाहिए कि कहीं वह किसी वजह से घायल तो नहीं है, या फिर काफी बूढ़ा हो तो ऐसी हालत में वह वन्य जीव खतरा है और फिर उसे पकड़ना भी जरूरी हो जाता है। बताया गया कि ग्रामीण ऐसे मामलों में देर न करे और इसकी सूचना संबंधित रेंज को दे।

सुरंग में फंसे लोगों के लिए की प्रार्थना

कोटद्वार : "श्री नागेश्वर महादेव मंदिर" की स्थापना दिवस एवं कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर शारदा नगर रुचि खंड के क्षेत्र वासियों द्वारा अखंड रामायण पाठ एवं हवन पूजन के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तराखंड के उत्तरकाशी के 16 दिनों से सीलक्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरोंके के सह कुशल निकलने हेतु सभी भक्त गणों ने प्रार्थना की। गौरतलब है कि 12 नवंबर दीपावली की सुबह सुरंग में मलबा गिरने से 41 मजदूर फंस गए थे। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष डॉ. विजय शंकर ओझा, बहादुर सिंह बिष्ट, संजय सिंह, उमेश द्विवेदी, सुरेश श्रीवास्तव एवं अखिल भारतीय उत्तराखंड महासभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक असवाल सहित कई भक्तजन उपस्थित थे।

पौड़ी में बदला मौसम का मिजाज, बढ़ी ठंड

पौड़ी : मंगलवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा। पिछले दो दिनों से बदले मौसम के मिजाज से ठंड बढ़ी हुई है। मौसम के बदले मिजाज से मंगलवार को भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई। सुबह से ही आसमान बादलों से घिरा रहा। जिले भर में दूसरे दिन भी मौसम का मिजाज बदला रहा। पौड़ी में मंगलवार को भी मौसम का मिजाज बदला रहा। मौसम के अचानक करवट बदलने से यहां ठंड में खासा इजाफा हो गया है। ठंड की दस्तक से संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इस बार बर्फबारी भी जल्द होगी। इस वर्ष अच्छी बरसात के चलते बर्फबारी की संभावनां भी जताई जा रही थी। बीते कुछ दिनों से पौड़ी में अच्छी धूप खिल रही थी। हालांकि सुबह व सायं ठंड थी, लेकिन दिन में धूप से माहौल सामान्य बना हुआ था। लेकिन मंगलवार को भी मौसम ने अचानक करवट बदल ली। सुबह से आसमान बादलों से ढका हुआ था। दिन भर आसमान में घने बादल छाए रहने से कड़ाके की ठंड महसूस की गई। ठंड से बचाव के लिए लोग गर्म कपड़े और आग का सहारा लेते रहे।

1 दिसंबर को होगा ट्रायल

पौड़ी : खेल विभाग के द्वारा 4 से 7 दिसंबर तक ओपन बालकों की राज्य स्तरीय आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कंडोलिया मैदान में होगा। प्रभारी जिला क्रीडा अधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि 4 से 7 दिसंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के चयन ट्रायल 1 दिसंबर को कंडोलिया मैदान, पौड़ी में किया जाएगा। कहा कि चयन ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को स्थायी निवास प्रमाण पत्र, एक रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार की प्रति लानी होगी।

रिखणीखाल में फिर सक्रिय हुआ बाघ, वन विभाग की टीम ने डाला डेरा

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : गढ़वाल वन प्रभाग की धुमाकोट रेंज और ब्लाक रिखणीखाल में एक बार फिर बाघ सक्रिय हो गया है। ब्लाक के हल्दूखाल के आसपास के गांवों में बाघ सक्रिय बताया जा रहा है। जिस कारण लोग दहशत में है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग की टीम ने यहां डेरा डाल दिया है। मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने सक्रिय बाघ को पकड़ने के आदेश जारी कर दिये है।

रिखणीखाल में एक के बाद एक हमलों ने बाघ ने अब तक तीन लोगों की जान ली है। इसके बाद वन विभाग ने तीन बाघों को भी यहां से पकड़ लिया था। रिखणीखाल के केलधार के पास से वन विभाग की टीम ने बीती 27 अक्तूबर को ही बाघ को पकड़ कर कालागढ़ टाइगर रिजर्व को सौंपा था। वन विभाग द्वारा डब्ल्यूआई को भेजे गए सैंपलों में यह भी पुष्टि हो गई थी, जो बाघ पकड़ा गया उसी ने दो हमले किए थे। हालांकि बाद में पार्क प्रशासन के अफसरों ने इस बाघ को भी छोड़ दिया था।

अब दूसरे बाघ के यहां सक्रिय हो जाने के कारण वन विभाग के साथ ही ग्रामीणों की भी मुश्किलों में इजाफा हो गया है। वन विभाग ने यहां बाघ के सक्रिय होने के बाद से टीम तैनात कर दी है।बाघ के यहां लगातार सक्रिय हो जाने की वजह से वन विभाग की चिंताएं बढ़ गई हैं। एक उच्चाधिकारी ने कहा है कि अब यह भी देखा जा रहा है कि कहीं इस क्षेत्र को बाघ ने अपना ही बसेरा तो नहीं बना लिया है। गढ़वाल वन प्रभाग का यह हिस्सा धुमाकोट कालागढ़ टाइगर रिजर्व की सीमा से सटा हुआ है। ऐसे में यहां बाघों का आना कोई मुश्किल भी नहीं है। हालांकि इससे पहले यहां बाघ ऐसे दिखाई नहीं देते थे। रिखणीखाल ब्लाक के डल्ला, भैगड़गांव और मोक्षण गांव अभी तक बाघ के हमलों में तीन लोगों की जान चली गई है। बाघ के एक के बाद एक हमलों से ग्रामीण काफी सहमे हुए है। अब हल्दूखाल के आसपास बाघ एक बार फिर दिखाई दे रहा है। डीएफओ स्वपनिल अनिरुद्ध ने बताया कि ग्रामीणों ने इसकी जानकारी दी थी, बाघ के यहां फिर सक्रिय होने के बाद टीम को तैनात कर दिया गया है, जिसमें पशुचिकित्सक भी शामिल है। मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक ने सक्रिय बाघ को पकड़ने के आदेश जारी किए है।

ओमप्रकाश अध्यक्ष और हरीश बनें महासचिव

कोटद्वार : लोक कलाकार सोसाइटी की बैठक गाड़ीघाट स्थित एक वेडिंग प्वाइंट में आयोजित की गई। बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। ओमप्रकाश कबटियाल को अध्यक्ष, हरीश चंद्र काला को महासचिव, श्रीमती सरोज रावत, शांति नेगी, यशोदा रावत को उपाध्यक्ष, वीरेंनद्र भंडारी को सांस्कृतिक सचिव, कल्पना मंझेड़ा को सह सांस्कृतिक सचिव, प्रकाश मोहन गढ़वाली को सह निर्देशन व संगीत निर्देशक, बसंत घिल्डियाल को सह निर्देशन, संदीप वर्मा को कार्यक्रम संयोजक चुना गया। जबकि गबर सिंह रावत, आनन्दमणी जखमोला, दर्शन लाल सरन, सुनील घल्डियाल को संरक्षक चुना गया तथा श्रीमती लज्जू रावत, गीता कुकरेती, ममता बिडालिया, संगीता गढ़वाली, दिनेश बौठियाल, किरण बिष्ट, किशोर कोटनाला को कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी दी गई। अध्यक्ष ओमप्रकाश कबटियाल ने बताया कि आगामी 28 दिसम्बर को सोसाइटी का वार्षिकोत्सव रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से मनाया जाएगा।

आम लोगों को दी जाएगी योजनाओं की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विकसित भारत संकल्प यात्रा के संबंध में भाजपा नैनीडांडा मंडल की बैठक ब्लॉक सभागार नैनीडांडा में मंडल अध्यक्ष शशि ध्यानी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में आम लोगों को जानकारी दी जाएगी व हर पात्र परिवार, व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिले।

इसके लिए मौके पर ही सभी पात्र लोगों को योजनाओं से जोड़ा जाएगा। बैठक में विकसित भारत संकल्प यात्रा के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। मंडल अध्यक्ष शशिकुमार ध्यानी ने बताया कि विकसित भारत संकल्प यात्रा क्षेत्र के हर गांव तक पहुंचेगी।

बैठक में जिला महामंत्री दीनदयाल कंडारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रकीर्ण नेगी, प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य मनोज मधवाल, विधायक प्रतिनिधि सुरेन्द्र प्रताप, मंडल महामंत्री तेजपाल सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी दीनदयाल चतुर्वेदी, आईटी प्रभारी आशीष पटवाल, सभी मोर्चे के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र सयोजक, शक्ति केंद्र प्रवासी, बूथ अध्यक्ष आदि मौजूद रहे। मंच संचालन दीनू चतुर्वेदी ने किया।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए 10 दिसंबर को करेंगे सीएम आवास कूच

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : पुरानी पेंशन बहाली हेतु राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा द्वारा आगामी 10 दिसंबर को मुख्यमंत्री आवास कूच कार्यक्रम रखा गया है। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा पुरानी पेंशन बहाली हेतु लगातार संघर्षरत है। मोर्चा द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है। लेकिन सरकार द्वारा अभी तक इस पर कोई भी सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया है। जिसके कारण कर्मचारियों को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

मोर्चा के प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल ने बताया कि मंगलवार को जिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को पुराली पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन प्रेषित किया गया। 30 नवंबर को मोर्चा द्वारा गढ़वाल एवं कुमाऊं मंडल आयुक्त के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन प्रेषित किया जाएगा। उन्होंने सभी कर्मचारी, शिक्षकों एवं अधिकारियों से अनुरोध किया है कि वह 10 दिसंबर को होने वाले मुख्यमंत्री आवास कूच कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर इस रैली को सफल बनाते हुए पुरानी पेंशन बहाली की आवाज को बुलंद करें। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश महासचिव सीताराम पोखरियाल, प्रदेश अध्यक्ष जयदीप रावत, संग्राम सिंह नेगी, भवान सिंह नेगी, रघुराज सिंह चौहान, दीपक नेगी, प्रेमचंद ध्यान, संजय नेगी, रेवती नंदन डंगवाल आदि शामिल थे।

डीएम को ज्ञापन सौंपते हुए राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी।

डीएम ने बाढ़ सुरक्षा कार्यों की मांगी रिपोर्ट

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान की अध्यक्षता में तहसील यमकेश्वर के अंतर्गत गंगाभोगपुर में बाढ़ सुरक्षा कार्यों के संबंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने वन विभाग, उपजिलाधिकारी यमकेश्वर और नगर पालिका जौंक को निर्देशित किया कि बाढ़ सुरक्षात्मक कार्यों को संपादित करवाने के संबंध में संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण करते हुए आख्या प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि वन भूमि के कटाव की रोकथाम तथा आबादी में किसी तरह का जलभराव ना हो सके इस दृष्टिगत से स्थलीय निरीक्षण करते हुए आख्या देना सुनिश्चित करें। इस दौरान उपजिलाधिकारी सदर स्मृता परमार समेत वर्चुअल माध्यम से वन विभाग, नगर पालिका जौंक व उपजिलाधिकारी यमकेश्वर बैठक में जुड़े रहे।

चीन में फैले निमोनिया पर उत्तराखंड में भी अलर्ट

देहरादून। चीन में बच्चों में फैल रहे निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू बीमारी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने उत्तराखंड में भी अर्लट जारी कर दिया है। इसे लेकर स्वास्थ्य सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने गाइड लाइन जारी की है। बच्चों में निमोनिया, इन्फ्लूएंजा फ्लू के लक्षणों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। सचिव स्वास्थ्य ने बताया कि चीन में छोटे बच्चों में सांस से संबंधित बीमारी माइक्रो प्लाज्मा निमोनिया और इन्फ्लूएंजा फ्लू के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सभी देशों को अलर्ट जारी किया है। इसके बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी देश के सभी राज्यों को निगरानी बढ़ाने के दिशा निर्देश दिए हैं। राज्य में सर्विलांस बढ़ाया जाए। उत्तराखंड में अभी तक इस तरह का कोई मामला नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर सभी जिलों को भी अस्पतालों में विशेष निगरानी रखने के लिए निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में आईसोलेशन बेड, वार्ड, ऑक्सीजन बेड, आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, ऑक्सीजन सिलेंडर की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था रखी जाए। डॉक्टरों के साथ नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर ली जाए। नाक और गले की जांच के सैंपल को नजदीकी मेडिकल कालेज में भेजा जाए। समुदाय स्तर पर यदि कहीं भी परेशानी सामने आती हैं, तो तत्काल जांच की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। तत्काल नियंत्रण, रोकथाम की कार्यवाही की जाए।

बच्चों और बुजुर्गों पर विशेष ध्यान दिया जाए। छींकते, खांसते समय नाक और मुंह को ढकने को मास्कर, रुमाल का इस्तेमाल किया जाए।

विधायक ने की एनसीसी और सीएसडी कैंटीन की मांग

टिहरी : घनसाली विधायक शक्तिलाल शाह ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली में मुलाकात कर विधानसभा के राजकीय इंटर कालेजों में एनसीसी शुरू करवाने और घनसाली क्षेत्र में सैनिकों की बाहुल्यता को देखते हुए यूआरसी एक्सटेंशन काउंटर व मोबाईल सीएसडी कैंटीन खुलवाने की मांग की है। विधायक शक्ति लाल दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करते हुए उन्हें बताया कि घनसाली व भिलंगना क्षेत्र सैनिक बाहुल्य क्षेत्र हैं। सैनिकों के पुत्र-पुत्रियां सेना की सेवा में जाने में अच्छी रूचि रखते हैं। लेकिन विद्यालयों में एनसीसी न होने से अवसर मिलने में दिक्कतें होती हैं। इसलिए विधानसभा घनसाली के विद्यालयों में एनसीसी शुरू करवाई जाये। सैनिकों के लिए विधायक शाह ने घनसाली विधानसभा में यूआरसी एक्सटेंशन काउंटर व मोबाईल सीएसडी कैंटीन खुलवाने की मांग करते हुए मांग पत्र भी सौंपा। (एजेंसी)

एक दिसंबर से शुरू होगा संकल्प यात्रा

टिहरी : विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत भारत सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं के संतृप्तीकरण के लक्षित लाभार्थियों तक समयबद्ध रूप से पहुंच सुनिश्चित करने के साथ विभिन्न आऊटरीच गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय जन भागीदारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान के रूप में ब्लाक जाखणीधार में संकल्प यात्रा का आयोजन आगामी एक दिसंबर से आरंभ होगा। संकल्प यात्रा के बाबत जानकारी देते हुए प्रभारी खंड विकास अधिकारी डीपी चमोली ने बताया कि यात्रा में भारत सरकार की प्रमुख जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार विकास खंड को आवंटित दो आईईसी वैन के माध्यम से समस्त 92 ग्राम पंचायतों में तैयार किए गये रूट पर आयोजित किया जायेगा। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी की तैनाती कर दी गई है। निर्धारित तिथि को प्रत्येक ग्राम पंचायत में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत प्रधानमंत्री मोदी का संदेश, पंचप्रण शपथ, शासकीय योजनाओं में लाभ प्राप्त कर चुके लाभार्थियों का सम्मान, मेरी कहानी–मेरी जुबानी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत धरती करे पुकार आदि थीम पर कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। संकल्प यात्रा में ग्राम पंचायतों के किए गये कार्य, जल जीवन मिशन से प्राप्त उलब्धियां, पीएम उज्ज्वल योजना, पीएम किसान सम्मान, पीएम पोषण योजना, स्वामित्व योजना जैसे व्यक्ति लाभ प्राप्त लाभार्थियों से संवाद कर समस्त कार्यक्रमों का भारत सरकार पोर्टल पर आन लाईन अपलोड किया जायेगा। जिसमें बीडीओ नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे। विकासखंड स्तरीय समिति में स्वास्थ्य विभाग, आपूर्ति विभाग, ग्राम्य विकास, उद्योग, कृषि, मत्स्य, पशुपालन, महिला कल्याण, बाल विकास, पेयजल, पंचायती राज विभाग के साथ समस्त बैंकों को सम्मिलित किया गया है।

स्थानान्तरण पर सीडीओ को दी विदाई

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली में मुख्य विकास अधिकारी व जड़ी बूटी शोध एवं विकास संस्थान के निदेशक के रुप में तैनात डा. ललित नारायण मिश्र का अपर सचिव शहरी विकास के पद पर स्थानांतरण हो गया है।

मुख्य विकास अधिकारी के रुप में एक वर्ष 43 दिनों के कार्यकाल में डा. ललित नारायण मिश्र ने जहां विकास विभाग की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया।

वहीं अपनी सोच के बूते स्वरोजगार के क्षेत्र में विशेष कार्य किए। उन्होंने जहां स्थानीय युवाओं के स्वरोजगार हेतु सैलून प्रशिक्षण योजना का संचालन किया। वहीं एचआरडीआई के निदेशक के रुप में राज्य के विकास खंडों में एक-एक गांव को हर्बल ग्राम बनाने और अटल आदर्श विद्यालयों में हर्बल गार्डन का निर्माण करवाया।

ऐसे में उनके कार्यों से जिले को विकास की मुख्य धारा में गति मिली है। मंगलवार को विकास भवन सभागार में ग्राम्य विकास के साथ ही सभी रेखीय विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी।

छात्रों के वोटर कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाया

विकासनगर। वीर शहीद केसरी चंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डाकपत्थर में छात्रों के वोटर कार्ड बनाने के लिए कैंप लगाया गया। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब एवं एनएसएस के तत्वावधान में जिला प्रशासन ने नए मतदाता पहचान पत्र बनवाने के लिए मंगलवार को महाविद्यालय में एक दिवसीय कैंप लगाया। एक दिवसीय मतदाता पहचान पत्र बनावाने के लिए आयोजित कैंप में विकासनगर तहसील से आये अधिकारी कर्मचारी चतर सिंह तोमर, केआर डोभाल ने महाविद्यालय में पहुंचकर 98 छात्र छात्राओं के नए मतदाता पहचान पत्र बनाने के आवेदन पर कार्यवाही की। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जीआर सेमवाल ने कहा कि एक अच्छे नागरिक की पहचान होती है कि वो अपने पसंदीदा उम्मीदवार को वोट देकर सरकार बनाने में अपना योगदान दे। कहा कि अपना योगदान देने के लिए ये ज़रूरी है कि आपके पास मतदाता पहचान पत्र हो। तहसील विकासनगर के चतर सिंह तोमर ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र एक जरूरी प्रमाण पत्र होता है। वोट डालने के अलावा ड्राइविंग लाइसेंस, पासपोर्ट कैटिगरी, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड व बैंक खाते के लिए उपयोग में आता है। एनएसएस के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी एवं स्वीप नोडल अधिकारी डॉ. राजकुमारी भंडारी चौहान ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। यहां की संघीय सरकार प्रत्येक पांच वर्ष के अंतराल पर चुनाव के माध्यम से चुनी जाती है।

41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकालने के लिए किया हवन

टिहरी : ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ बाजार स्थित शिव मंदिर में भाजपा ओबीसी मोर्चा की ओर से उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुंरग में फंसे 41 श्रमिकों के सकुशल बाहर निकालने के लिए हवन किया गया। उन्होंने भगवान से सभी श्रमिकों की कुशलता की कामना की।

मंगलवार को थत्यूड़ बाजार स्थित प्राचीन शिव मंदिर में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश नौटियाल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने पूजा अर्चना और हवन कर बीते 17 दिनों से सिलक्यारा सुंरग में फंसे सभी श्रमिकों की कुशलता के साथ जल्द बाहर आने की भगवान शिव से प्रार्थना की।

ग्राम प्रधान ने की सिंचाई विभाग से सुनीर शूनीर गांव में सिंचाई लिफ्ट योजना बनाने की मांग

विकासनगर। तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शूनीर गांव में सिंचाई लिफ्ट योजना बनाने को ग्राम पंचायत प्रधान ने प्रमुख अभियंता सिंचाई को ज्ञापन प्रेषित किया। ग्राम प्रधान ने ज्ञापन में बताया कि सिंचाई के अभाव में पचास हेक्टेयर से अधिक भूमि बंजर होने के कगार पर है। कहा कि सिंचाई लिफ्ट योजना के बनने से जहां खेती नगदी फसलों से लह लहायेगी वहीं स्थानीय लोगों की आजिविका में भी सुधार आयेगा। प्रधान शूनीर सीता देवी ने लिखा है कि शूनीर गांव में लगभग पचास हैक्टेयर कृषि भूमि है। लेकिन बिना सिंचाई पानी के अभाव में बंजर होने के कगार पर खड़ी है। गांव में एक से बढ़कर एक बडे बडे खेत हैं। ग्रामीण वर्ष 2012 से शूनीर में सिंचाई लिफ्ट योजना बनाने की मांग कर रहे है। लेकिन सरकार ने अभी तक ग्रामीणों की मुख्य समस्या को गम्भीरता से नहीं लिया। शूनीर गांव में सिंचाई की सुविधा होने से लाखों रुपये की नकदी फसल बेमौसमी सब्जी उत्पादन हो सकता। जिससे किसानों की आय में वृद्धि होगी। प्रधान सीता देवी ने क्षेत्रीय विधायक से लेकर सिंचाई विभाग के आला अधिकारियों तक गुहार लगाई गई। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं है। कहा कि ग्रामीणों की मांग को विभग गंभीरता से लेकर सिंचाई पंपिंग योजना का निर्माण करे। जिससे स्थानीय लोगों की आजिविका सुधार हो सके। बताया कि जौनसार बावर में जमीन काफी उपजाऊ है। ऐसे में खेती को बंजर होने से बचाने के लिए पंपिंग योजना को बनाया जाना जनहित में आवश्यक है।

छात्रों को नशे से दूर रहने को किया जागरूक

ऋषिकेश। राष्ट्रीय जन चेतना संस्थान ने नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया। वक्ताओं ने छात्र–छात्राओं को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया। मंगलवार को राष्ट्रीय जन चेतना संस्थान ने शुद्धि एक अभियान के तहत राइंका रानीपोखरी में कार्यक्रम आयोजित किया। संस्थान अध्यक्ष विक्रम सिंह भंडारी ने नशे के दुष्प्रभाव और दुष्परिणामों के बारे में छात्रों को बताया। उन्होंने छात्र–छात्राओं से समाज में नशा मुक्ति अभियान को आगे बढ़ाने और नशे से दूर रहने की अपील की। उन्होंने छात्रों को नशे से दूर रहकर देश के निर्माण में पूर्ण सहयोग देने को कहा। भारतीय वायु सेना में कार्यरत धनंजय सिंह पुंडीर ने कहा कि नशा शरीर में विभिन्न प्रकार की बीमारियां पैदा करने के साथ ही कई घरों और परिवारों को

बर्बाद कर देता हैं। संस्थान सदस्य मनोज शर्मा ने कहा कि राष्ट्र निर्माण एवं देश को विश्व गुरु बनाने के लिए नशे से दूर रहना आवश्यक है। मौके पर प्रधानाचार्य एचएस गुसाईं, क्षेत्र पंचायत सदस्य जीवन चौहान, राजेश आदि मौजूद उपस्थित रहे।

आगामी चुनावों को लेकर कांग्रेसियों ने की बैठक

ऋषिकेश। आगामी निकाय और लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेसियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक कर वरिष्ठ कांग्रेसियों को दोबारा संगठन से जोड़ने और एकजुट होने का आह्वान किया। मंगलवार को बनखंडी स्थित सन शाइन पब्लिक स्कूल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बैठक आयोजित की। महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि सभी ब्लॉक और मंडलम कमेटियों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि पार्टी को मजबूत बनाया जा सके। इससे आगामी निकाय और लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बेहतर प्रदर्शन करेगी। सोमेश्वर ब्लॉक अध्यक्ष राहुल रावत ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेसियों को दोबारा संगठन की मुख्य धारा से जोड़ा जाएगा और जनता की समस्याओं और गंभीर मुद्दों को उठाया जाएगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला प्रसाद भट्ट ने कार्यकर्ताओं से आगामी चुनाव को देखते हुए एकजुट होने का आह्वान किया। बैठक में प्यारेलाल जुगरान, शैलेंद्र बिष्ट, बृजपाल राणा, मदन शर्मा, मुरारी सिंह राणा, एकांत गोयल, किशोरी गौड़, रेनू नेगी, गंगा गुप्ता, जितेंद्र पाठी, शुभम पाल, पुष्पा आदि उपस्थित रहे।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड पौड़ी

पत्रांक 1623/दो-लेखा/शुद्धि पत्र/2023-24 दिनांक 28/11/2023

''शुद्धि पत्र''

इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना संख्या-1572/ग्रा0नि0वि0/निविदा-सूचना-02/2023-24 दिनांक 18-11-2023 के द्वारा जनपद पौड़ी गढ़वाल में स्थित सी0एम0ओ0 कार्यालय के समीप सत्याखाल मोटर मार्ग पर पार्किंग/टैक्सी का निर्माण की ई-निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसमें डाली गयी BOQ में कुछ Item में परिवर्तन होने के कारण पुनः BOQ RAR Format में संशोधित कर अलपोड की जा रही है। पूर्व BOQ में अपलोड की गई ई-निविदा मान्य नहीं होगी।

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड पौड़ी।

सम्पादकीय

स्याह अंधेरे में चमकी किरण

आखिर 17 दिन बाद उन तमाम लोगों की मेहनत रंग लाई जो सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए दिन–रात एक किए हुए थे। 17 दिन की लंबी जहर और हर एक मजदूर को सुरक्षित रखने का संकल्प कसौटियों पर खरा उतरा। शासन प्रशासन से लेकर स्थानीय लोग एवं राहत तंत्र ने जिस प्रकार का जज्बा और कभी न थमने वाली रफ्तार दिखाई वह काबिले तारीफ है लेकिन एक सवाल फिर भी हमेशा के लिए उत्तराखंड में चल रही तमाम परियोजनाओं को लेकर खड़ा हो गया है कि क्या पहाड़ी क्षेत्रों में चलाई जा रही परियोजना विकास की राहत खोलेंगे या फिर विनाश का कारण बन रही हैं? पिछले 17 दिनों में जो कुछ भी उत्तराखंड में देखने को मिला है वह काफी खौफनाक है खास तौर पर सुरक्षा माफ डंडों को लेकर इस प्रकार की परियोजनाएं कट भरे पर ही खड़ी नजर आती हैं। दीपावली के दिन यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग में 41 मजदूर कार्य करने के दौरान भूस्खलन से अंदर ही फंस गए थे। यह संख्या अधिक हो सकती थी लेकिन दीपावली का पर्व होने के कारण अधिकतर मजदूर दिन में अच्छी खासी तादाद स्थानीय मजदूरों की भी थी अपने घर चले गए थे। 41 मजदूरों की जान अब सुरंग के बाहर राहत कार्यों में लगे लोगों के हाथों मे थी लेकिन लगातार तमाम कोशिशें के बावजूद भी मजदूरों को निकालने में 17 दिन का समय लग गया। स्पष्ट है कि तमाम परियोजनाओं के चलते अमल में लाई जाने वाली सुरक्षा संबंधी बातों को सिरे से खारिज किया जा रहा है और उन बातों पर ध्यान ही नहीं दिया गया जो इस प्रकार के हालातो का कारण बनती हैं। फिलहाल तो राहत की बात सिर्फ यही है की सभी 41 मजदूरों को सुरक्षित निकाला जा रहा है जिन्होंने तमाम विषम परिस्थितियों के बीच न केवल खुद को संभाले रखा बल्कि एक दूसरे को भी जीने के लिए प्रेरित करते रहे। पूरा तंत्र मजदूरों को बाहर निकलने में लग रहा और उम्मीद की जा रही थी कि इस कार्य में दो से तीन दिन लगेंगे लेकिन इंतजार लंबा होता चला गया साथ ही ऐसी परियोजनाओं के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के प्रबंध भी धरे के धरे रह गए। निश्चित तौर पर राज्य सरकार एवं स्थानीय लोगों ने सुरंग के अंदर फंसे लोगों को उत्साहित करने के लिए हर संभव प्रयास किया, मानसिक तौर पर मजबूत करने के साथ–साथ भोजन इत्यादि की व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी गई लेकिन सबसे महत्वपूर्ण था कि बिना किसी जान की हानि के सभी मजदूरों को सब कुशल बाहर निकल जाए और अंततः मंगलवार का वह शुभ दिन भी आ गया जब मैनुअल तरीके से मशीनों के असफल होने के बाद सभी मजदूरों को बाहर निकाल कर अस्पताल में भर्ती किया गया। स्पष्ट है कि उत्तराखंड में चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट कहीं ना कहीं यहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए मुसीबत भी बन सकते हैं। खासतौर से अति संवेदनशील क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर सुरक्षा को लेकर खतरे में है। पहाड़ों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं के लिए सुरक्षा का मापदंड सर्वोपरि होना चाहिए लेकिन इस प्रकरण में इस महत्वपूर्ण कार्य की अनदेखी की गई। जनपद चमोली का करंट प्रकरण हो या फिर केदारनाथ की प्राकृतिक, इस प्रकार की घटनाओं के बाद रहा तंत्र किस प्रकार के संसाधनों के साथ बचाव का कार्य करता है यह काफी महत्वपूर्ण है। अलग–अलग परिस्थितियों में कार्य की प्रवृत्ति अलग–अलग हो सकती है लेकिन 41 लोग 17 दिन तक जीवन और मृत्यु के बीच झूलते रहे तो इसका मतलब साफ है कि आपात स्थिति में सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले कदम अभी भी बुनियादी तौर पर पटरी पर नहीं उतर पाए हैं।

राजस्थानः या तो जांत या बालकनाथ!

श्रुति व्यास

एक शब्द में राजस्थान चुनाव 2023 का लबोलुआब है–'दिलचस्प', 'हैरानीभरा'।इसलिए क्योंकि जो पहले माना जा रहा था और जो पुराना ढर्रा था उस पर चुनाव नहीं हुआ है।

राजधानी जयपुर के कई पत्रकारों ने पहले से ही धारणाएं बनाई हुई थी।गुलाबी शहर के जवाहर कला केन्द्र की ऊंची दीवारों के बीच वे एक सपाट वाक्य बोलते थे– ''हर पांच साल में यहां बदलाव होता हैज् अब की बार बीजेपी ही आएगी, इसलिए क्या कवर करना?"इस बात में दम भी था। तभी दूर से देखने पर राजस्थान के चुनाव नीरस नजर आ रहे थे। आखिरकार 1998 से लेकर अब तक हर पांच साल में सरकार बदलना राजस्थान का रिवाज है। तो 2023 भला अलग क्यों होगा? खासकर तब जब भाजपा ने घिसेपिटे चेहरों को दरकिनार कर दिया है,बाबाओं और योगियों, सांसदों और राजपरिवारों के सदस्यों को दिल खोलकर टिकट दिए हैं, प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे को आगे रखा है और हिंदुत्व का माहौल बनाया है तो इस सब की रियलिटी में धारणा स्वभाविक ही है कि राजस्थान में भाजपा की जबरदस्त जीत होनी है।

पर क्या इतना आसान और एकतरफा चुनाव हुआ है? क्या रिकार्ड तोड मतदान भाजपा की आंधी का संकेत है? या जाति आधारित प्रतिस्पर्धा में हुई वोटिंग का सबूत है?भाजपा के पक्ष में तीन बातें निर्विवाद है। राजस्थान में नरेंद्र मोदी का करिश्मा गहरा पैंठा हुआ है। चाहे तो इसका संकेत शहरों में रिकार्ड तोड मतदान को माने। फिर भाजपा के कार्यकर्ता अधिक सक्रिय और वोट डालने की जिद्द में नजर आएं। तीसरी बात, कांग्रेस के मुकाबले भाजपा संगठन और उसका प्रचार तंत्र अधिक चुस्त और मजबूत दिखा।

बावजूद इसके देहात–कस्बों और जमीनी गणित और कैमेस्ट्री में इस बार के चुनाव की बातें, सरोकार और रंग–ढंग अलग थे। और हर 25–50 किलोमीटर पर माहौल बदला हुआ नजर आया। ऐसा माहौल जो पिछले चुनावों में नहीं देखा गया, जिसे भांपना बहुत दिलचस्प था और जो जाति और उससे जुड़े सरोकारों पर आधारित था। मुझे छतीसगढ़ और मध्यप्रदेश में घूमते हुए सीट वार वैसा संघर्ष नहीं दिखलाई दिया जैसा राजस्थान में दिखा। अपनी चुनावी यात्रा शुरू करने के पहले मैं जयपुर के एक प्रमुख वरिष्ठ पत्रकार से मिली। उनका कहना था कि "मैं 1985 से चुनाव कवर कर रहा हूं लेकिन मैंने कभी चुनावी नैरेटिव पर जाति का इतना असर नहीं देखा"। यही बात उदयपुर में मुझसे उस होटल में भी कही गई जहां में ठहरी थी।सलूंबर के हरिसिंह ने चुनावों के बारे में सिर्फ एक बात कहीः "इस बार तो सबकुछ जात पर है"।और मैं

ऐसा 2018 में नहीं होता था और ना ही उसके पहले। इस बार राजस्थान के एक कोने से दूसरे कोने तक के अपने सफर के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि राजस्थान धीरे–धीरे उत्तरप्रदेश बनता जा रहा है। उम्मीदवार की जाति अब सबसे महत्वपूर्ण हो गई है।

भी मतदान के बाद यह बात मानते हुए हूँ।

जबकि पुराने जानकार कहते है राजस्थान के लोगों के लिए जाति कभी बड़ा मुद्दा नहीं रही है। आपकी जाति या गोत्र जानने में किसी की दिलचस्पी नहीं रहती थी। चुनाव पार्टी के झंडे, दोनों पार्टियों के कट्टर वोट बैंक और एंटी इनकंबेसी फेक्टर पर हुआ करते थे या पानी, बिजली, रोजगार जैसे मुद्दों पर होते थे। लेकिन अबकी बार अपनी यात्रा के दौरान जब मैं आम लोगों से टोह लेने के लिए उनसे जब भी बात शुरू करती थी तो वे मुझसे पहले जानना चाहते थे–"आप कौनसी जात से हैं?"। यह सवाल मुझसे धोद (सीकर) से लेकर नसीराबाद और वहां से लेकर बांसवाड़ा तक पूछा गया। जाट, गुर्जर, एससी, ओबीसी, ब्राम्हण, बनिया झ सभी मुझसे बात करने के पहले मेरी जाति जानना चाहते थे। मुझे यह इतना अजीब लगता था कि मैं उत्तर न देने की कोशिश करती थी। परंतु अंततः मुझे अपनी जाति बतानी ही पड़ती थी।

ऐसा 2018 में नहीं होता था और ना ही उसके पहले। इस बार राजस्थान के एक कोने से दूसरे कोने तक के अपने सफर के दौरान मुझे यह अहसास हुआ कि राजस्थान धीरे–धीरे उत्तरप्रदेश बनता जा रहा है। उम्मीदवार की जाति अब सबसे महत्वपूर्ण हो गई है।हिन्दू बनाम मुस्लिम, हिन्दू राष्ट्र, हिन्दुत्व आदि की बातें केवल शहर वाले करते हैं। गांव–देहात में जाति ही सबसे अहम है। जाति की राजनीति ने राजस्थान के चुनाव को जटिल बना दिया है।ध्यान रहे जब भी जाति महत्वपूर्ण कारक बनती है तब चुनाव का गणित,केमिस्ट्री और मूड तीनों बदल जाते हैं।फिर लोगों के नए 'सरोकार' भी दिखे। इन सरोकारों का पहले कभी कोई जिक्र नहीं होता था। मगर अब ये सरोकार चुनावी मुद्दा बन गए हैं। नसीराबाद में 80 साल के रतनलाल ने कहा,"राजस्थान उत्तरप्रदेश बन रहा है"। रतनलाल जाट हैं। उनके लिए "उत्तरप्रदेश बन रहा है" का मतलब है कि गुर्जरों की ताकत और प्रभाव बढ़ रहा है। रतनलाल के अनुसार जैसे उत्तरप्रदेश में यादव 'दादा' बन गए हैं उसी तरह राजस्थान में गुर्जर अपना वर्चस्व कायम करने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं दौसा में एक गुर्जर ने मुझसे कहा,"ये मीणा लोग आजकल बहुत हावी हो रहे हैं"। राजसमंद के राजनगर में एक दुकानदार ने कहां, "इन दिनों जाट बहुत हवा में उड़ रहे हैं"।मतलब अपनी जाति तो मुद्दा है ही।दूसरी जातियों के बढ़ते वर्चस्व की चिंता भी सीकर के धोद से लेकर बांसवाड़ा के गढ़ी तक ओबीसी जातियों के बीच व्याप्त है और वह चुनाव में उतरे उम्मीदवारों पर फैसले में हावी है।

राजस्थान में गुर्जर, मीणा, राजपूत और जाट झ ये चार प्रमुख समुदाय हैं जिनमें दबदबे को लेकर गहरा कंपीटिशन है। राज्य में कुल मतदाता कोई सवा पांच करोड है। इसमें एससी व एसटी का हिस्सा कोई 31 प्रतिशत है। वही मुस्लिम 9 प्रतिशत। फिर जाट व ब्रहाम्ण अधिक। मीणा कोई 8 प्रतिशत और गुर्जर पांच और राजपूत छह प्रतिशत बतलाए जाते है। इन सभी जातियों में उम्मीदवार की जाति की पहचान बड़ा फेक्टर है। इसके बाद हिंदू–मुस्लिम धुव्रीकरण से लोग प्रभावित दिखें, खासकर शहरी इलाकों में। इसी के चलते जयपुर और भीलवाड़ा के शहरी इलाकों के फारवर्ड लोग भी यादव बाबा बालकनाथ को बतौर मुख्यमंत्री पहली पसंद बतलाते मिले। कई लोगों ने कहा,"उत्तरप्रदेश जैसा योगी राजस्थान में भी चाहिए"।

इसलिए जाति और धर्म में चुनाव रंगा हुआ था। पानी, बिजली, सडक़ जैसे मसलों पर लोग बोलते हुए नहीं थे। कई जिलों में अब भी 'हर नल में जल' नहीं है मगर फिर भी बात लोग जाति की कर रहे हैं। आरएलपी (राष्ट्रीय लोकतान्त्रिक पार्टी) और बीटीपी (भारतीय ट्राइबल पार्टी) जैसी पार्टियों के चलते भी जाति का नैरेटिव और मजबूत हुआ है।इसलिए प्रदेश में चुनाव अब केवल कांग्रेस बनाम भाजपा का नहीं हैं बल्कि बसपा, आजाद समाज पार्टी और ढेर सारे निर्दलीय उम्मीदवारों से भी गणित और कैमेस्ट्री बिगडी हैं। मेवाड़ इलाके को लें। मेवाड़–वागड़ (उदयपुर संभाग) में 28 सीटें हैं। माना जाता है कि यहां जो जीतता है राज्य में उसी की सरकार बनती है। हालांकि सन् 2018 में यह भ्रम टूटा था। पर इस बार यहाँ चुनावी गणित गड़बड़ाई है। वजह है बागियों का चुनावी मैदान में होना।ऐसी 13 सीटें हैं जिन पर बागी उम्मीदवार उलटफेर कर सकते हैं।

इन सबके बीच में एक व्यक्ति करीब–करीब सभी लोगों के दिलो–दिमाग में अपनी जगह बतौर नेता बनाए हुए मिला। और वह है अशोक गहलोत। सभी धर्मों और जातियों के लोगों में गहलोत को लेकर पोजिटिव धारणा है। कह सकते है पांच साल के राज के बाद जो सत्ता–विरोधी लहर दिखनी थी वह नहीं दिखाई दी।

चुनाव मतलब लोगों को मूर्ख बनाना!

हरिशंकर व्यास

भारत में अब सारे चुनाव आम लोगों को मूर्ख बनाने, उनको बरगलाने, निजी लाभ का लालच देने, उनकी आंखों पर पट्टी बांधने या उनकी आंखों में धूल झोंकने का उपक्रम और मौका है। पार्टियों के घोषणापत्र में भले कुछ भारी–भरकम बातें लिखी जाती हों लेकिन प्रचार में सिर्फ लोक लुभावन घोषणाएं होती हैं, जिन्हें गारंटी का नाम दिया जा रहा है। कहीं मोदी की गारंटी है तो कहीं कांग्रेस और राहुल की गारंटी है। उस गारंटी में यह है कि सरकार बनी तो हर वयस्क महिला को एक हजार से लेकर ढाई हजार रुपए तक महीना दिया जाएगा, स्कूल जाने वाले बच्चों को पांच सौ से लेकर तीन हजार रुपए तक दिए जाएंगे, महिलाओं को मुफ्त में बस यात्रा की सुविधा दी जाएगी, हर व्यक्ति को मुफ्त में पांच किलो अनाज मिलेगा, कहीं मुफ्त में घर देने की गारंटी है तो कहीं मुफ्त में शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा देने की गारंटी है, कहीं स्कूटी, लैपटॉप और स्मार्ट फोन मुफ्त देने की बात है तो कहीं रसोई गैस सिलेंडर सस्ता करने का वादा है तो कहीं बिजली, पानी मुफ्त में देने की बात है। कहीं जाति गणना करा कर आरक्षण की सीमा बढ़ाने का वादा है तो कहीं अयोध्या में राममंदिर का मुफ्त दर्शन कराने की गारंटी है। कोई रैयतू बंधु है तो किसानों को सम्मान निधि दे रहा है। कोई पिछड़ा राज लाने की बात कर रहा है तो कोई हिंदू राष्ट्र बनाने का ऐलान कर रहा है।

अब सवाल है कि कोई इस बात की गारंटी क्यों नहीं दे रहा है कि वह लोगों को इतना सक्षम बनाएगा कि वह खुद अयोध्या जाकर राममंदिर के दर्शन करे या पैसे देकर बस में सफर कर सके या अनाज खरीद कर अपना पेट भर सके?

हां, कोई भी पार्टी नागरिकों को सक्षम बनाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने, धनवान और बुद्धिमान बनाने की गारंटी नहीं दे रही है। पार्टियां बिना किसी प्लान के ऐलान कर रही हैं कि सरकार बनी तो इतने लाख लोगों को नौकरी देंगे। लेकिन साथ में यह बताना जरूरी नहीं समझती हैं कि वह नौकरी कहां होगी? क्या सरकारी नौकरियों में बढ़ोतरी की जा रही है या उद्योग–धंधे स्थापित किए जाएंगे, जिनमें नौकरियां मिलेंगी? दूरगामी विकास की कोई योजना किसी पार्टी के प्रचार में सुनाई नहीं देती है। देश की ढांचागत गड़बडियों को दूर करने के बारे में बात नहीं होती है। किसानों को सम्मान निधि दी जाएगी लेकिन कृषि की लागत कम हो, उनका मुनाफा बढ़े और उन्हें सिंचाई के लिए मॉनसून पर न निर्भर रहना पड़े इसकी घोषणा नहीं होती है। महिलाओं को आरक्षण देने का कानून बना देंगे और उनके लिए मुफ्त बस पास भी बनवा देंगे लेकिन राजनीति में उन्हें बराबर की भूमिका नहीं देंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में औसतन 10 फीसदी महिला उम्मीदवार मैदान में हैं।

दुनिया के किसी लोकतंत्र में ऐसी हिप्पोक्रेसी देखने को नहीं मिलेगी कि नेता कहेंगे कुछ और करेंगे कुछ और। सबका ध्यान सिर्फ इस बात पर होता है कि चुनाव कैसे जीता जाए।

कड़ी सुरक्षा के बीच आज विशेष अदालत में पेश होंगे पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान तहरीके इन्साफ अध्यक्ष एवं पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले के सिलसिले में मंगलवार को संघीय न्यायिक परिसर में विशेष अदालत के समक्ष पेश होंगे। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक राजधानी इस्लामाबाद की पुलिस ने इस मौके पर सुरक्षा की चाक–चौबन्द व्यवस्था की है तथा इसके लिए पुलिस और अर्धसैनिक अधिकारियों की एक टीम का गठन किया है। वर्तमान में अडियाला जेल में बंद इमरान खान को कड़े सुरक्षा बन्दोबस्तों के बीच तहत अदालत में लाया जाएगा। उनके साथ आने वाले काफिले में एसयूवी वाहन, पुलिस मोबाइल और बख्तरबंद कार्मिक वाहक शामिल होंगे।

सूत्रों ने बताया कि 'उच्च–अधिकारियों' से हरी झंडी मिलने के बाद टीम का गठन किया गया है। पीटीआई अध्यक्ष को संभवतः पेशावर रोड और श्रीनगर राजमार्ग के माध्यम से परिसर में लाया जाएगा। पुलिस को न्यायिक परिसर और उसके आसपास सुरक्षा सहित सभी प्रासंगिक योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा रेंजर्स और एफसी सैनिकों को उनकी दंगा–

रोधी इकाइयों के साथ वैकल्पिक रूप से तैयार रहने और ड्यूटी के लिए बुलाए जाने पर तुरंत उपलब्ध होने के लिए कहा गया है।

सूत्रों ने कहा कि दंगा–रोधी उपकरणों से लैस रेंजरों को राजधानी पुलिस की सहायता से परिसर में और उसके आसपास 'आंतरिक सुरक्षा घेरे' में तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दंगा–रोधी उपकरणों से लैस और पुलिस की सहायता से एफसी टीमों को 'मध्य–सुरक्षा घेरा' (जिसमें परिसर के चारों ओर की सर्विस सड़कें भी शामिल) पर परिसर में तैनात किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि दंगा–रोधी इकाई और आतंकवाद–रोधी विभाग की टीमों सहित एक पुलिस टुकड़ी को परिसर की ओर जाने वाली सड़कों पर तैनात किया जाएगा, अर्धसैनिक बलों और पुलिस की टुकड़ियों को भी फ़ैज़ाबाद, ज़ीरो पॉइंट, पेशावर मोर्, और गोल्र मोर्ं जैसे मुख्य बिंदुओं पर तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रेड जोन को आंशिक रूप से सील कर दिया जाएगा और केवल विनियमित प्रवेश की अनुमति होगी। इस बीच इस्लामाबाद की जवाबदेही अदालत ने भ्रष्टाचार के एक मामले में पूर्व प्रधान मंत्री की भौतिक रिमांड में विस्तार की मांग करने वाले राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के अनुरोध को खारिज कर दिया।

जवाबदेही न्यायाधीश मोहम्मद बशीर ने इमरान खान की चार दिन की शारीरिक रिमांड समाप्त होने के बाद अदियाला जेल में कार्यवाही फिर से शुरू की। अभियोजन पक्ष ने अदालत से आगे की जांच के लिए फिजिकल रिमांड बढ़ाने का अनुरोध किया। अदालत ने अनुरोध खारिज कर दिया और श्री खान को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया। उन्होंने अभियोजन पक्ष को उसे एक पखवाड़े के बाद पेश करने का निर्देश दिया।

इस बीच एक स्पष्ट सुरक्षा चूक के कारण अदियाला जेल के बाहर अफरा तफरी की स्थिति पैदा हो गई जब श्री खान की पत्नी बुशरा बीबी, जिन्हें जेल में जवाबदेही न्यायाधीश के सामने पेश होना था, के वाहन को पुरुषों के एक समूह ने घेर लिया। उन्होंने पूर्व प्रधान मंत्री और उनकी पत्नी के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाए और जेल में वाहन के प्रवेश को अवरुद्ध कर दिया। इसी बीच पीटीआई अध्यक्ष का समर्थन कर रहे वकीलों का एक समूह भी वहां पहुंच गया और श्री खान के पक्ष में नारे लगाने लगा। जेल सुरक्षा कर्मचारी हरकत में आए और प्रदर्शनकारियों को जेल के मुख्य द्वार के बाहर से खदेड़ दिया। पीटीआई अध्यक्ष और उनकी पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने बहरिया टाउन के मालिक मलिक रियाज से यूके एजेंसी द्वारा वसूले गए पैसे को सुप्रीम कोर्ट में उनकी देनदारियों के खिलाफ समायोजित करने के लिए अरबों रुपये और सैकड़ों कनाल जमीन प्राप्त की। ब्रिटेन की राष्ट्रीय अपराध एजेंसी ने 2019 में मलिक रियाज़ के परिवार से 01 करोड 90 लाख पाउंड की वसूली की और इसे पाकिस्तान वापस भेज दिया , लेकिन बाद में इसे सुप्रीम कोर्ट में स्थानांतरित कर दिया गया। रियल एस्टेट टाइकून ने दावा किया कि यह पैसा उन 460 अरब रुपये में जाएगा जो उसे कराची में एक आवास योजना के लिए जमीन हासिल करने के लिए भुगतान करना था।

चीन के बाद अब ब्रिटेन ने बढ़ाई टेंशन, इंसान में मिला यह खतरनाक वायरस

लंदन ,(एजेंसी)। एक ओर जहां चीन में निमोनिया ने कोहराम मचा रखा है। वहीं अब ब्रिटेन में स्वाइन फ्लू के एच1एन2 ने दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। हैरान करने वाली बात यह है कि सूअरों में मिलने वाले यह स्ट्रेन एक इंसान में पाए जाने का पहला मामला है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। उत्तरी यॉर्कशायर में सांस संबंधित परेशानी होने पर युवक का टेस्ट किया गया था। इस दौरान उसके अंदर स्वाइन फ्लू स्ट्रेन एच1एन2 पाया गया। बता दें कि यह वायरस सूअरों में पाया जाता है। लेकिन किसी इंसान में फ्लू के इश स्ट्रेन का ब्रिटेन में यह पहला मामला है।

शख्स के अंदर स्वाइन फ्लू के हल्के लक्षण थे और वह पूरी तरह से अभी ठीक है। हालांकि अभी ये नहीं पता चल पाया है कि स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन कितना खतरनाक है। स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन जिस व्यक्ति में मिला है, उसका सूअरों के साथ काम करने का या कोई संपर्क रहने की भी बात सामने नहीं आई है। यूकेएचएसए की मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी क्रिस्टीन मिडलमिस ने बताया कि हम जानते हैं कि जानवरों की कुछ बीमारियां इंसानों को भी हो सकती हैं। हम विभिन्न विभागों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। हमने सूअर पालकों को भी आदेश जारी किए हैं कि अगर उनके यहां किसी सूअर को फ्लू है तो वह जल्द जानकारी दें।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि आमतौर पर सूअरों में फैलने वाला इन्फ्लूएंजा वायरस जब किसी इंसान में पाया जाता है, तो इसे वेरिएंट इन्फ्लूएंजा वायरस कहते हैं। एच1एन1, एच1एन2 और एच3एन2 सूअरों में पाए जाने वाले वायरस के प्रमुख प्रकार हैं, जिससे इंसान भी संक्रमित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें, स्वाइन फ्लू एक संक्रामक सांस की बीमारी है, जो सामान्य तौर पर सूअरों में होती है, ये स्वाइन इन्फ्लूएंजा ए वायरस के ॥1ह1 स्ट्रेंस के कारण होती है। हालांकि ॥1ह2, ॥3ह1 और ॥3ह2 के रूप में अन्य स्ट्रेंस भी सूअरों में मौजूद रहते हैं।

बर्फीले तूफान ने मचाया कहर: 17 क्षेत्रों में बिजली गुल, 5 लोगों की मौत– 19 घायल

कीव ,(एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमोर ज़ेलेंस्की ने बीती देर रात कहा कि देश के दक्षिणी क्षेत्र ओडेसा में भीषण तूफान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और 19 घायल हो गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन में बीती रात भयंकर बर्फीला तूफान आया, जिससे 17 क्षेत्रों में यातायात बाधित हुआ और बिजली गुल हो गई।

देश के ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर कहा कि तेज हवाओं ने बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचाया लिहाजा देश में 1,500 से अधिक बस्तियों में बिजली गुल हो गयी। मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी ओडेसा और मायकोलाइव क्षेत्र, मध्य निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र और उत्तरी कीव क्षेत्र बर्फीले तूफ़ान से सबसे अधिक प्रभावित हुए।

न्यू गिनी के उत्तरी तट के पास 6.5 तीव्रता का आया भूकंप : यूएसजीएस

बीजिंग ,(एजेंसी)। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने कहा कि न्यू गिनी, पापुआ न्यू गिनी के उत्तरी तट के पास बीती 6.5 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र, 12.3 किमी की गहराई के साथ, शुरू में 3.56 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 144.02 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया ।

यूक्रेन में बर्फ़ीले तूफ़ान से कम से कम 5 की मौत, 19 घायल

कीव ,(एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमोर ज़ेलेंस्की ने बीती देर रात कहा कि देश के दक्षिणी क्षेत्र ओडेसा में भीषण तूफान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और 19 घायल हो गए हैं।

प्लैटिनम खदान में बड़ा हादसा, 11 लोगों की मौत, 75 घायल, लिफ्ट अनियंत्रित होने से हुई दुर्घटना

केपटाउन, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका में इम्पाला प्लैटिनम खदान दुर्घटना में 11 श्रमिकों की मौत हो गई और 75 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इम्पाला प्लैटिनम के मुख्य कार्यकारी निको मुलर ने इसे कंपनी के इतिहास का सबसे काला दिन बताया। कंपनी ने कहा कि दुर्घटना सोमवार को जोहान्सबर्ग से लगभग 100 किमी (60 मील) उत्तर–पश्चिम में रस्टेनबर्ग की खदान में एक लिफ्ट के अनियंत्रित होने से हुई। लोगों को खदान शाफ्ट पर ऊपर तथा नीचे लेकर जाने वाली यह लिफ्ट अप्रत्याशित रूप से नीचे की ओर बढ़ने लगी थी। दक्षिण अफ्रीका में दुनिया की कुछ सबसे गहरी खदानें हैं। वहीं यह प्लैटिनम, सोना और अन्य कच्चे माल का अग्रणी उत्पादक देश है। यहां की खदानों में सुरक्षा स्थिति का मामला लंबे समय से गंभीर रहा है, हालांकि 1994 में श्वेत–अल्पसंख्यक शासन समाप्त होने के बाद से स्थिति में सुधार हुआ है। कंपनी ने कहा कि दुर्घटना के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है तथा सभी खनन कार्य बंद कर दिए गए हैं।

पुरानी पेंशन की लड़ाई अंतिम दौर में, केंद्र को हड़ताल का नोटिस देने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। 'पुरानी पेंशन बहाली' की लड़ाई अब अंतिम दौर की तरफ बढ़ रही है। अगर सरकार, कर्मचारियों की इस मांग को नहीं मानती है, तो उस स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल हो सकती है। कितने कर्मचारी, अनिश्चितकालीन हड़ताल के पक्ष में हैं, यह पता लगाने के लिए केंद्र सरकार में दो बड़े विभागों रेलवे और रक्षा विभाग (सिविल) में स्ट्राइक बैलेट यानी मतदान कराया गया था। ओपीएस के लिए गठित नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) की संचालन समिति के राष्ट्रीय संयोजक एवं स्टाफ साइड की राष्ट्रीय परिषद जेसीएम के सचिव शिवगोपाल मिश्रा ने कहा कि अब स्ट्राइक बैलेट का नतीजा आ गया है। रेलवे के 11 लाख कर्मियों में से 96 फीसदी कर्मचारी ओपीएस लागू न करने की स्थिति में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा रक्षा विभाग (सिविल) के चार लाख कर्मियों में से 97 फीसदी कर्मी हड़ताल के पक्ष में हैं। यह

मतदान पूरी तरह निष्पक्ष तरीके से हुआ है।

कर्मियों ने बिना किसी दबाव के अपना मत डाला है। अब ज्वाइंट फोरम की बैठक में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के लिए निर्धारित तिथि की घोषणा की जाएगी। बतौर शिव गोपाल मिश्रा, उम्मीद है कि सरकार इस स्ट्राइक बैलेट को गंभीरता से लेगी। केंद्र एवं राज्य सरकारों के कर्मचारी, लंबे समय से ओपीएस की मांग कर रहे हैं। सरकार को कई दफा ज्ञापन सौंपा गया है। अगर सरकार, अब भी ओपीएस पर अडियल रवैया अख्तियार करती है, तो कर्मचारियों के पास अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचेगा।

महिला अग्निवीर ने ट्रेनिंग के दौरान की आत्महत्या, पंखे से लटकी मिली लाश

मुंबई ,(एजेंसी)। मुंबई में नौसेना की ट्रेनी अग्निवीर युवती की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने मंगलवार को कहा कि नौसेना में ट्रेनिंग ले रही 20 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि युवती का किसी साथ अफेयर था। उसकी खुदकुशी के पीछे यही वजह हो सकती है। जानकारी के मुताबिक युवती ने बेसिक ट्रेनिंग पूरी कर ली थी और इसके बाद 15 दिनों की ट्रेनिंग के लिए उसे आईएनएस हमला पर भेजा गया था। पुलिस ने बताया कि युवती के पास से किसी तरह का सूइसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है।

मालवानी पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर ने बताया कि युवती केरल की रहने वाली थी। वह 15 दिन पहले ही मुंबई आई थी।

राजनाथ सिंह ने प्रोजेक्ट 15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसक यार्ड 12706 का अनावरण किया

नई दिल्ली , (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की उपस्थिति में चार प्रोजेक्ट 15बी स्टील्थ गाइडेड मिसाइल विध्वंसकों में से तीसरे यार्ड 12706 (इम्फाल) के शिखर का अनावरण किया था। कांगला पैलेस और 'कंगला–सा' से सुशोभित इम्फाल की शिखा का अनावरण भारत की स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा के प्रति मणिपुर के लोगों द्वारा किए गए बलिदान के प्रति एक सच्ची श्रद्धांजलि है। शिखा का डिज़ाइन बाईं ओर कांगला पैलेस और दाईं ओर 'कंगला–सा' को दर्शाता है। कांगला पैलेस मणिपुर का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है, और पिछले राज्य की पारंपरिक सीट थी। ड्रैगन के सिर और शेर के शरीर के साथ, 'कंगला–सा' मणिपुर के इतिहास का एक पौराणिक प्राणी है, और अपने लोगों के संरक्षक/संरक्षक के रूप में प्रतीकात्मक है। 'कंगला–सा' मणिपुर का राज्य प्रतीक भी है। भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन किया गया और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल), मुंबई द्वारा निर्मित, यह जहाज स्वदेशी जहाज निर्माण की पहचान है और दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत युद्धपोतों में से एक है। जहाज को एमडीएल द्वारा 20 अक्टूबर, 2023 को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया था। 7,400 टन के विस्थापन और 164 मीटर की कुल लंबाई के साथ एक निर्देशित मिसाइल विध्वंसक, इम्फाल एक शक्तिशाली और बहुमुखी मंच है जो सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों, जहाज–रोधी मिसाइलों और अत्याधुनिक हथियारों और सेंसर से सुसज्जित है। टॉरपीडो. संयुक्त गैस और गैस (सीओजीएजी) प्रणोदन द्वारा संचालित, वह 30 समुद्री मील (56 किमी/घंटा) से अधिक गति प्राप्त करने में सक्षम है इंफाल की आधारशिला 19 मई, 2017 को रखी गई थी और जहाज को 20 अप्रैल, 2019 को पानी में उतारा गया था। जहाज 28 अप्रैल, 2023 को अपने पहले समुद्री परीक्षण के लिए रवाना हुआ था, और बंदरगाह और बंदरगाहों में परीक्षणों के एक व्यापक कार्यक्रम से गुजर चुका है। समुद्र, छह महीने की रिकॉर्ड समय–सीमा के भीतर 20 अक्टूबर, 2023 को इसकी डिलीवरी तक पहुंच गया।

प्री–कमीशनिंग परीक्षणों के हिस्से के रूप में, जहाज ने हाल ही में एक विस्तारित रेंज ब्रह्मोस मिसाइल का सफल प्रक्षेपण किया। इम्फाल के निर्माण और उसके परीक्षणों में लगा समय किसी भी स्वदेशी विध्वंसक के लिए सबसे कम है। जहाज की डिलीवरी 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में प्रोत्साहन की पुष्टि है। यह एक समुद्री परंपरा और एक नौसैनिक परंपरा है जिसके अनुसार कई भारतीय नौसेना जहाजों के नाम प्रमुख शहरों, पर्वत श्रृंखलाओं, नदियों, तालाबों और द्वीपों के नाम पर रखे गए हैं। भारतीय नौसेना को अपने नवीनतम और तकनीकी रूप से सबसे उन्नत युद्धपोत का नाम ऐतिहासिक शहर इंफाल के नाम पर रखने पर बेहद गर्व है।

हमास ने बंधकों का चौथा जत्था किया रिहा, संघर्ष विराम दो दिन और बढ़ा

जेरूसलम ,(एजेंसी)। हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए इजरायली बंधकों के चौथे जत्थे को रिहा कर दिया है और आने वाले दिनों में और भी लोगों के रिहा होने की उम्मीद है क्योंकि इजरायल और हमास मौजूदा युद्धविराम को अगले दो दिनों के लिए बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। एक फ़िलिस्तीनी सूत्र ने बताया कि सोमवार को इज़राइल के साथ संघर्ष विराम के चौथे चरण में 11 बंधकों को रेड क्रॉस अधिकारियों को सौंप दिया गया था। सोमवार रात को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने बयान को अपडेट करते हुए कतर के विदेश मंत्रालय ने कहा कि रिहा किए गए 11 बंधक दोहरे नागरिक हैं। इनमें तीन इजरायली–फ्रांसीसी नागरिक, दो इजरायली–जर्मन नागरिक और छह इजरायली–अर्जेंटीना नागरिक शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि बदले में, 30 नाबालिगों और तीन महिलाओं सहित 33 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। इजरायली सेना ने एक बयान में पुष्टि की कि नए रिहा किए गए बंधक हमास द्वारा रेड क्रॉस को सौंपे जाने के बाद इजरायल पहुंचे। बयान में कहा गया है।

आईपीएल 2024 प्लेयर रिटेंशन सूची में धोनी भी शामिल

मुंबई , इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन् के लिए खिलाडियों को रिटेन करने की विंडो बंद होने के साथ, 10 फ्रेंचाइजी ने कुल मिलाकर 173 खिलाडियों को रिटेन किया है।

रिटेन और रिलीज़ किए गए खिलाडियों की पूरी सूची

चेन्नई सुपर किंग्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : अजय मंडल, अजिंक्य रहाणे, दीपक चाहर, डेवोन कॉनवे, महेश थीक्षाना, मथीशा पथिराना, मिशेल सेंटनर, मोइन अली, एमएस धोनी, मुकेश चौधरी, निशांत सिंधु, प्रशांत सोलंकी, राजवर्धन हंगरगेकर, रवींद्र जड़ेजा, रुतुराज गायकवाड़, शेख रशीद , शिवम दुबे, सिमरजीत सिंह, तुषार देशपांडे।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : आकाश सिंह, अंबाती रायुडू, बेन स्टोक्स, भगत वर्मा, ड्वेन प्रिटोरियस, काइल जैमीसन, सिसंडा मगाला, सुभ्रांशु सेनापति।

दिल्ली कैपिटल्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : अभिषेक पोरेल, एनरिक नॉर्टजे, अक्षर पटेल, डेविड वार्नर, इशांत शर्मा, कुलदीप यादव, ललित यादव, लुंगिसानी एनगिडी, मिशेल मार्श, मुकेश कुमार, प्रवीण दुबे, पृथ्वी शॉ, ऋषभ पंत, सैयद खलील अहमद, विक्की ओस्टवाल, यश

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : अमन खान, चेतन सकारिया, कमलेश नागरकोटी, मनीष पांडे, मुस्तफिजुर रहमान, फिल साल्ट, प्रियम गर्ग, रिले रोसौव, रिपल पटेल, रोवमैन पॉवेल, सरफराज खान।

गुजरात टाइटंस : रिटेन किए गए खिलाड़ी : अभिनव सदारंगानी, बी. साई सुदर्शन, दर्शन नालकंडे, डेविड मिलर, हार्दिक पंड्या जयंत यादव, जोशुआ लिटिल, केन विलियमसन, मैथ्यू वेड, मोहम्मद शमी, मोहित शर्मा, नूर अहमद, आर साई किशोर, राहुल तेवतिया, राशिद खान , शुबमन गिल, विजय शंकर, रिद्धिमान साहा।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : अल्ज़ारी जोसेफ, दासुन शनाका, के.एस. भरत, ओडियन स्मिथ, प्रदीप सांगवान,

शिवम मावी, उर्विल पटेल, यश दयाल।

कोलकाता नाइट राइडर्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : आंद्रे रसेल, अनुकूल रॉय, हर्षित राणा, जेसन रॉय, नितीश राणा, रहमानुल्लाह गुरबाज़, रिंकू सिंह, श्रेयस अय्यर, सुनील नरेन, सुयश शर्मा, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : आर्या देसाई, डेविड विसे, जॉनसन चार्ल्स, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, लॉकी फर्ग्यूसन, मनदीप सिंह, एन. जगदीसन, शाकिब अल हसन, शार्दुल ठाकुर, टिम साउदी, उमेश यादव

लखनऊ सुपर जाइंट्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी: अमित मिश्रा, आयुष बडोनी, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल (टी), के गौतम, केएल राहुल, क्रुणाल पंड्या, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, मार्क वुड, मयंक यादव, मोहसिन खान, नवीन उल हक, निकोलस पूरन, प्रेरक मांकड़, क्विंटन डी कॉक, रवि बिश्नोई, यश ठाकुर, युद्धवीर चरक।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : अर्पित गुलेरिया, डैनियल सैम्स, जयदेव उनादकट, करण शर्मा, करुण नायर, मनन वोहरा, सूर्यांश शेगड़े, स्वप्निल सिंह।

मुंबई इंडियंस : रिटेन किए गए खिलाड़ी : आकाश मधवाल, अर्जुन तेंदुलकर, कैमरून ग्रीन, डेवाल्ड ब्रेविस, इशान किशन, जेसन बेहरेनडॉर्फ, जसप्रीत बुमराह, कुमार कार्तिकेय सिंह, एन. तिलक वर्मा, नेहल वढेरा, पीयूष चावला, रोहित शर्मा, रोमारियो शेफर्ड (टी), शम्स मुलानी , सूर्य कुमार यादव, टिम डेविड, विष्णु विनोद।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : क्रिस जॉर्डन, डुआन जानसन, रितिक शौकीन, झाय रिचर्डसन, जोफ्रा आर्चर, मोहम्मद। अरशद खान, राघव गोयल, रमनदीप सिंह, रोली मेरेडिथ, संदीप वारियर, ट्रिस्टन स्टब्स।

पंजाब किंग्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : अर्शदीप सिंह, अथर्व ताइदे, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत भाटिया, जितेश शर्मा, जॉनी बेयरस्टो, कैगिसो रबाडा, लियाम लिविंगस्टोन, नाथन एलिस, प्रभसिमरन सिंह, राहुल चाहर, ऋषि धवन, सैम कुरेन, शिखर धवन, शिवम सिंह, सिकंदर रजा , विदवथ कावेरप्पा।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : बलतेज ढांडा, भानुका राजपक्षे, गुरनूर सिंह बराड़, मैथ्यू शॉर्ट, मोहित राठी, राज अंगद बावा, शाहरुख खान।

राजस्थान रॉयल्स : रिटेन किए गए खिलाड़ी : एडम ज़म्पा, अवेश खान (टी), ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल राठौड़, नवदीप सैनी, प्रसिद्ध कृष्णा, आर. अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, संजू सैमसन, शिमरोन हेटमायर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जयसवाल, युजवेंद्र चहल।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : अब्दुल पी.ए., आकाश वशिष्ठ, जेसन होल्डर, जो रूट, के.सी. करियप्पा, के.एम. आसिफ, कुलदीप यादव, मुरुगन अश्विन, ओबेद मैकॉय

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर : रिटेन किए गए खिलाड़ी : आकाश दीप, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, फाफ डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल, हिमांशु शर्मा, कर्ण शर्मा, महिपाल लोमरोर, मनोज भंडागे, मयंक डागर (टी), मोहम्मद सिराज, राजन कुमार, रजत पाटीदार, रीस टॉपले, सुयश प्रभुदेसाई, विराट कोहली, विशक विजय कुमार, विल जैक्स।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी: अविनाश सिंह, डेविड विली, फिन एलन, हर्षल पटेल, जोश हेज़लवुड, केदार जाधव, माइकल ब्रेसवेल, सिद्धार्थ कौल, सोनू यादव, वानिंदु हसरंगा, वेन पार्नेल।

सनराइजर्स हैदराबाद : रिटेन किए गए खिलाड़ी: अब्दुल समद, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्करम, अनमोलप्रीत सिंह, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, ग्लेन फिलिप्स, हेनरिक क्लासेन, माको जानसन, मयंक अग्रवाल, मयंक मार्कंडेय, नितीश कुमार रेड्डी, राहुल त्रिपाठी, सनवीर सिंह, शाहबाज अहमद (टी)), टी. नटराजन, उमरान मलिक, उपेन्द्र सिंह यादव, वॉशिंगटन सुंदर।

रिलीज़ किए गए खिलाड़ी : आदिल राशिद, अकील होसेन, हैरी ब्रुक, कार्तिक त्यागी, समर्थ व्यास, विवरांत शर्मा।

अक्षर और बिश्नोई ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई : प्रसिद्ध कृष्णा

तिरुवनंतपुरम ,भारत के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई की स्पिन–गेंदबाजी जोड़ी की प्रशंसा की, जिन्होंने 44 रनों की जीत के दौरान अपने महत्वपूर्ण विकेटों से टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरा टी–20 मुकाबला तिरुवनन्तपुरम में खेला गया, जिसमें भारतीय टीम ने 236 रनों का लक्ष्य दिया था। इसके जवाब में कंगारू टीम 191 रन ही बना सकी। भारत की ओर से तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर रवि बिश्नोई मैच में छाए रहे। दोनों को 3–3 विकेट भी मिले। जबकि, अक्षर, अर्शदीप और मुकेश कुमार ने 1–1 विकेट लिया। प्रसिद्ध ने मैच के बाद कहा, अक्षर और बिश्नोई ने जिस तरह से ओस पडने् के बावजूद गेंदबाजी की वो शानदार था। उन्होंने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि भारत विशाखापत्तनम में टी–20 सीरीज के शुरुआती मैच से ही ओस से निपटने की योजना बना रहा था। इसका प्रभाव तिरुवनंतपुरम में शुरू हुआ जब मुकेश कुमार आठवां ओवर फेंक रहे थे। प्रसिद्ध ने कहा, हम विजाग में भी ओस से निपटने की योजना बना रहे थे। लेकिन, सौभाग्य से हमें ऐसा नहीं करना पड़ा। हम जानते थे कि ओस एक बड़ी भूमिका निभाएगी। यह वास्तव में गीला था, यहां तक कि आठवें ओवर में जब मुकेश गेंदबाजी कर रहे थे, उन्होंने मुझे बताया कि बहुत अधिक ओस थी। यह भारत में खेलने की चुनौती का हिस्सा है। एक गेंदबाजी इकाई के रूप में हमें इससे निपटना सीखना होगा। पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण एक साल की अनुपस्थिति के बाद प्रसिद्ध ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी की और उन्हें हार्दिक पांड्या के प्रतिस्थापन के रूप में वनडे विश्व कप टीम में देर से शामिल किया गया।

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने खेल मंत्री रोशन रणसिंघे को बर्खास्त किया

नई दिल्ली , श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड में चल रहे विवाद के बीच श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने खेल मंत्री रोशन रणसिंघे को बर्खास्त कर दिया। रणसिंघे ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड (एसएलसी) को बर्खास्त करने और अर्जुन रणतुंगा के नेतृत्व में एक अंतरिम समिति स्थापित करने की मांग की थी। हालाँकि, रणसिंघे को न केवल खेल मंत्री के पद से बर्खास्त कर दिया गया है, बल्कि उन्हें युवा मामलों के मंत्री और सिंचाई मंत्री के शेष पद से भी हटा दिया गया है।यह संसद में राष्ट्रपति के खिलाफ उनके आरोपों के बाद हुआ। इसके अतिरिक्त, रणसिंघे ने नियमित रूप से एसएलसी पर कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था। एक दिन बाद, श्रीलंका की अदालतों ने उनके द्वारा नियुक्त अंतरिम समिति को हटा दिया, जिसमें दो राजनेताओं के बेटे शामिल थे, जिनके पास क्रिकेट टीम चलाने का कोई पूर्व अनुभव नहीं था। समूह का नेतृत्व अर्जुन रणतुंगा को सौंपा गया था।

रणसिंघे ने श्रीलंकाई क्रिकेट प्रशासन की देखरेख के लिए एक अंतरिम समिति की

नियुक्ति के बारे में बात करते हुए कहा कि क्या क्रिकेट में भ्रष्टाचार की ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए यह उनका इनाम है? उन्होंने कहा, मैंने ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की। एसएलसी ने श्रीलंकाई सरकार के उच्च स्तर से यह सुनिश्चित करने का अनुरोध किया था कि देश के क्रिकेट प्रशासन में राजनीति को फिर से प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

ऐसा माना जाता है कि एसएलसी ने खेल मंत्री पर दबाव बनाने के प्रयास में आईसीसी निलंबन का अनुरोध किया था, जिन्होंने क्रिकेट बोर्ड को अस्थायी रूप से निकाल दिया था। एसएलसी के निलंबन के परिणामस्वरूप, श्रीलंका ने अंडर–19 पुरुष विश्व कप की मेजबानी का विशेषाधिकार भी खो दिया, जो मूल रूप से 2024 के जनवरी और फरवरी के लिए निर्धारित था।

मुंबई में फैन स्क्रीनिंग को लेकर उत्साहित

मुंबई , टोटेनहम हॉटस्पर के दिग्गज खिलाड़ी लेडली किंग और ओस्सी अर्डीलिस भारत में अपने बढ़ते प्रशंसक आधार से जुडने् के क्लब के प्रयासों के तहत शुक्रवार को मुंबई पहुंचे।

दोनों दिग्गजों ने 24 नवंबर को मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन यंग चैंप्स अकादमी की यात्रा के साथ स्पर्स इन इंडिया दौरे की शुरुआत की। दोनों ने सुविधाओं का दौरा किया, अकादमी कोचों से मुलाकात की और युवा खिलाडियों के लिए एक विशेष मास्टरक्लास का आयोजन किया।

अगले दिन किंग और आर्डिल्स टोटेनहम हॉटस्पर अकादमी के कोचों के साथ 25 भारतीय कोचों के लिए एक कार्यशाला में शामिल हुए। जिनमें रिलायंस फाउंडेशन यूथ स्पोर्ट्स के कोच और मुंबई फुटबॉल इकोसिस्टम की महिला कोच भी शामिल थीं।

कार्यशाला में बांद्रा में द बॉम्बे आर्ट सोसाइटी में एक कक्षा सत्र शामिल था, जिसमें टोटेनहम हॉटस्पर एफसी की कोचिंग

पद्धति में अंतर्दृष्टि प्रदान की गई, इसके बाद नेविल डिसूजा फुटबॉल टर्फ में एक प्रैक्टिकल सत्र हुआ।

फिर, दिग्गजों ने इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों को वितरित करने के लिए स्थानीय संगठनों के सहयोग से 50 युवा फुटबॉल खिलाडियों के साथ बातचीत की और पिच पर एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में भाग लिया। विकास संबंधी कार्यक्रम ने क्लब को मुंबई में फुटबॉल बिरादरी के साथ जुडने् और वैश्विक फुटबॉल विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान किया। विशेष रूप से विशिष्ट कोचिंग पद्धतियों को साझा करने के माध्यम से खेल को विकसित करने में शामिल है।

मुंबई की यात्रा रविवार को धमाकेदार तरीके से समाप्त हुई, क्लब ने भारत में अपने प्रशंसकों के लिए टोटेनहम हॉटस्पर और एस्टन विला के बीच प्रीमियर लीग मैच की एक विशेष स्क्रीनिंग की मेजबानी की। कुर्ला में फीनिक्स मार्केट सिटी के डबलिन स्क्वायर में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों उत्साही प्रशंसकों ने भाग लिया, जो प्रस्तावित गतिविधियों में शामिल होने और उपस्थिति में दिग्गजों की एक झलक पाने के लिए किक–ऑफ से घंटों पहले कतार में खड़े थे।

किंग और आर्डिल्स ने प्रशंसकों के साथ बातचीत की और कार्यक्रम स्थल पर प्रतियोगिताओं और फुटबॉल चुनौतियों में भाग लेते हुए उन्हें देखा।

जयन्त

संस्थापक

स्व.नरेन्द्र उनियाल

प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी

नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित

–सम्पादक

नागेन्द्र उनियाल

आर.एन.आई. 35469/79

फोन/फैक्स 01382–222383

मो. 8445596074, 9412081969

e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com